रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

सोमवार
28 सितंबर -2026
वर्ष 11, अंक 20
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान नहीं सुधरा तो हर कार्रवाई के लिए तैयार

राजनाथ सिंह बोले-राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को लेकर कहा कि अगर पड़ोसी देश आतंकवाद की अपनी राज्य नीति जारी रखता है, तो भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा। भारत किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता और न ही किसी को धमकी देना चाहता है। ये बातें उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट 2026 में कहीं। भारत के अभियान और दूसरे देशों के साथ सहयोग हमेशा राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर होंगे। भारत अभियान चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं। भारत सहयोग चाहता है, लेकिन अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की कीमत पर नहीं। थ्यूसीडाइड्स ट्रैप की अवधारणा बताती है कि जब कोई देश तेजी से उभरता है, तो उसका पहले से शक्तिशाली देशों के साथ टकराव हो सकता है। भारत को इस तरह के द्विआधारी नजरिए में नहीं देखना चाहिए।

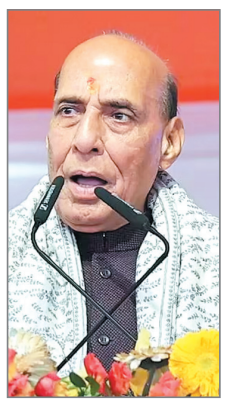

आज मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाएंगे थलपति विजय

पूजा-अर्चना के लिए घोषणा-पत्र पर करने पड़ सकते हैं हस्ताक्षर

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के पद संभालने के बाद अपनी पहली यात्रा के दौरान 28 सितंबर को मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में जाने से पहले उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था की पुष्टि करते हुए एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए

कहा जा सकता है। मंदिर जाने का कार्यक्रम शाम 4 बजे का है, जब वे सरकारी राजाजी अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए एक योजना शुरू करेंगे और नए रूप में तैयार गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम में केवल अस्पताल और संग्रहालय के कार्यक्रम ही शामिल हैं और मंदिर जाने का फैसला विजय पर निर्भर करेगा। गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि देवी और भगवान सुंदरेश्वर के गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति है। उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें गैर-हिंदुओं को घोषणा पत्र देने के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि ईसाई धर्म को मानने वाले मुख्यमंत्री विजय को घोषणा-पत्र में साइन करना होगा।

सेनापति जिले में दो नगा युवकों की गोली मारकर हत्या, दो अन्य घायल

मणिपुर में संकट बरकरार

नहीं थम रही है जातीय हिंसा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के सेनापति जिले के कालेन्जांग गांव में शनिवार दोपहर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दो नगा युवकों की हत्या कर दी, जबकि इस हिंसक घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पिछले कुछ महीनों से नगा और कुकू समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में यह एक और खूनी अध्याय जुड़ गया है। फरवरी से शुरू हुए इस आपसी संघर्ष में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह गोलीबारी शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे सेनापति पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले इलाके में हुई।

यह घटना मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के उस कार्यक्रम से लौटने के ठीक कुछ ही देर बाद घटी, जो वहां से करीब 30 किलोमीटर दूर आयोजित किया गया था। बता दें कि इससे महज दो दिन पहले, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास कामजोंग जिले के पिलोंग गांव में चार तंगखुल नगा युवकों की भी हत्या कर दी गई थी। इस हमले का आरोप म्यांमार स्थित कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा पर लगाया गया है।

लगातार बढ़ रहा है मौतों का आंकड़ा

गौरतलब है कि कालेन्जांग और पिलोंग की ये हत्याएं उन झड़पों का हिस्सा हैं जो फरवरी में नई सरकार के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद शुरू हुई थीं। खासकर 27 अगस्त के बाद से राज्य में हिंसा काफी बढ़ गई है, जिसमें 11 नगा और 10 कुकी अपनी जान गंवा चुके हैं। मृतकों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। यह आंकड़ा मैतेई-कुकी संघर्ष से बिल्कुल अलग है, जिसमें पहले ही 300 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। दोनों समुदायों ने एक-दूसरे के उग्रवादी संगठनों पर इन हमलों को अंजाम देने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इन आरोपों की जांच की जा रही है और फिलहाल इनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है।

यूपी-बिहार में 'बारिश' बनी जी का जंजाल

यूपी में 70 घंटे से आंधी-बारिश, बिहार में 500 घर डूबे

उत्तराखंड में गंगा खतरे के निशान के ऊपर, लोगों में डर

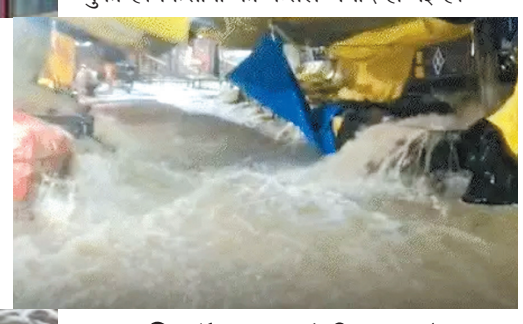

उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 70 घंटे से बारिश हो रही है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आंधी-बारिश की वजह से 2 दिनों में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के सभी जिलों में कल से भारी बारिश हो रही है। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। यूपी के लखनऊ, कानपुर,

पिथौरागढ़-नैनीताल में हाईवे पर गिर रहे बोल्डर

उत्तराखंड में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। चारधाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सिरोबगड़ के पास लैंडस्लाइड हुई है।

पंप से निकाल रहे एक्सप्रेसवे पर भरा पानी

यूपी में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करीब 70 घंटे तक हुई बारिश से शहर से लेकर गांव तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास 2-3 फीट जलभराव हो गया। पंप की मदद से पानी को एक्सप्रेसवे से बाहर निकाला जा रहा है। लखनऊ में इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई। चौराहों पर पानी भर गया। बख्शी का तालाब इलाके में खेत जलमग्न हो गए। फसलें गिरकर डूब गईं। आंधी-बारिश से प्रदेश में 2 दिन में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल बारिश थमी है, लेकिन आसमान में काले बादल छाए हैं। इससे पहले, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और बरेली समेत लगभग पूरे प्रदेश में जोरदार बारिश हुई। 30-40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। गांव, गली और मोहल्लों में पानी भर गया। सड़कें तालाब बन गईं। हजारों पेड़ और पोल उखड़कर गिर गए। कानपुर-इटावा हाईवे 200 मीटर धंस गया। कुशीनगर में गंडक बैराज के 36 फाटक खोल दिए गए हैं।

रूस का यूएन में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

- जर्मनी-जापान का किया विरोध, बदले की भावना का लगाया आरोप
- सुरक्षा परिषद में 5 परमानेंट मेंबर, भारत 8 बार अस्थायी सदस्य रहा

मास्को (एजेंसी)। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं। लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया। उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया। लावरोव ने साथ ही कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए।

भारत छठी परमानेंट सीट का सबसे मजबूत दावेदार

दुनिया की 17 फीसदी आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7 फीसदी से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत परमाणु शक्ति संपन्न है, लेकिन वो इसका दिखावा नहीं करता। अगर भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाता है तो परमाणु निरस्त्रीकरण प्रोग्राम में वह अहम भूमिका निभा सकता है।

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाई भारत की नीति

पीएम बोले-आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं, देंगे करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद का मजबूत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। **जनगणना को बताया राष्ट्रीय दायित्व-** पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की।

समाज में स्वस्थ संवाद के लिए बोलने के साथ-साथ सुनने का धैर्य भी जरूरी: हरिवंश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि संवाद खत्म होता है तो संदेह शुरू होता है। संवाद केवल दूसरे व्यक्ति तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं तक पहुंचने की प्रक्रिया भी है। समाज में स्वस्थ संवाद के लिए बोलने के साथ-साथ सुनने का धैर्य भी जरूरी है। रविवार को द सेलिब्रेशन, रांची में आयोजित कांके टॉक्स संवाद 2026 में वे मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम कांके टॉक्स के 100 से अधिक संवाद पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया। इसका विषय 'स्वस्थ संवाद, स्वस्थ समाज' रहा।हरिवंश ने आदिवासी समाज में सामूहिक संवाद की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां 'मैं' से अधिक 'हम' की भावना रही है। उन्होंने श्रोताओं से सवाल किया कि क्या सुनने का धैर्य उतना

ही है, जितनी आपकी बोलने की लालसा सार्वजनिक जीवन में वैचारिक मतभेदों पर उन्होंने कहा कि नीति के खिलाफ लिखिए, व्यक्ति के खिलाफ नहीं। उन्होंने देशहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

एआई ठीक, लेकिन कृत्रिम जीवन की ओर बढ़ रहे हम: अर्जुन मुंडा -पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने आदिवासी समाज, संस्कृति, तकनीक और आधुनिक जीवन के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा एआई तो ठीक है, लेकिन हम कृत्रिम जीवन की ओर बढ़ते जा रहे हैं। हम जी जरूर रहे हैं, लेकिन भाव की कमी होती जा रही है।मुंडा ने डिजिटल क्रांति और बदलते पारिवारिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक ने लोगों को जोड़ा जरूर है, लेकिन आज लोग अपने परिवार के बीच भी अकेले होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तंत्र का उपयोग करने के लिए तंत्र बनता है, लेकिन आज तंत्र हमारा उपयोग कर रहा है।वरिष्ठ पत्रकार एवं पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहा कि केवल 'संवाद से समाज' नहीं, बल्कि 'समाज से संवाद' की प्रक्रिया भी लगातार चलनी चाहिए।भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी प्रशांत आनंद ने कहा कि व्यक्तिगत हित और देशहित को हमेशा एक-दूसरे के विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए।

शाह ने देश की पहली एलएनजी ट्रेन को दिखाई हरी-झंडी

- बड़ी उपलब्धि, टैंक फुल होने पर 2200 किमी तक चलेगी
- एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इसका इंजन

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की। यह आंकड़ा 2024-25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गया है और 2030 तक हम इसे शून्य तक ले आएंगे, जिससे भारतीय मुद्रा की बचत होगी। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता।

- **2,000 किमी से ज्यादा का फील्ड ट्रायल रहा सफल-** इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 एचपी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है। ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। अहमदाबाद के डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि एलएनजी डीजल से सस्ता होने के कारण ट्रेन चलाने की कुल लागत कम हो जाती है। एलएनजी ईंधन से प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी।

700 करोड़ की लागत से नया लोकोमोटिव शेड

साबरमती में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड बनाया गया है। यहां करीब 12,000 एचपी क्षमता वाले 300 डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक मालगाड़ी इंजनों के रखरखाव की सुविधा होगी। ये इंजन भारी और लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए तैयार किए गए हैं। करीब 313.27 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती-सारखेज रेल लाइन के 21 किलोमीटर हिस्से को डबल करने का काम भी किया जाएगा।

'घर के चिराग' से पीके के अरमान होंगे स्वाहा!

तिरहुत में अपनों ने ही छेड़ी जन सुराज के विरुद्ध जंग

पटना (एजेंसी)। एक बड़ा ही मशहूर शेर है, दिल के फफोले जल उठे सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से। बहुत कुछ ऐसी ही कहानी तिरहुत स्नातक क्षेत्र में जन सुराज के साथ घट रही है। प्रशांत किशोर को अब अपना घर संभालना मुश्किल होते जा रहा है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के लिए अभी नामांकन भी नहीं हुआ है जनसुराज के आपसी विरोध सतह पर तांडव करने लगे हैं। हुआ यह कि जो अब

तक जो संभावित उम्मीदवार जनसुराज से स्नातक क्षेत्र के विकास की रूप रेखा और वोटों का पहाड़ खड़ा कर रहा था वह अचानक दावेदारी से ही किनारा कर दिया। जन सुराज ने तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार प्रो विमोहन के नाम की घोषणा क्या की पार्टी विद्रोह की अग्नि से तपने लगी। विरोध का यह झंडा पार्टी के ही चर्चित नेता संजय झा ने ही बुलंद कर दिया। वह भी कई तरह के आरोप लगाते।

एसबीयू में त्रिभाषीय भौतिकी शब्दावली निर्माण के लिए आयोजित पांच दिवसीय बैठक संपन्न

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची के भौतिकी विभाग द्वारा भौतिकी की त्रिभाषीय शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी-संथाली) के निर्माण के लिए आयोजित पांच दिवसीय बैठक का समापन हुआ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के प्रायोजन में आयोजित इस बैठक में विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों एवं अनुवादकों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य भौतिकी विषय से संबंधित वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों की अंग्रेजी, हिंदी एवं संथाली भाषाओं में मानकीकृत शब्दावली तैयार करना तथा भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक ज्ञान को अधिक सुलभ एवं व्यापक बनाना था। इस अवसर पर संथाली भाषा एवं अनुवाद के क्षेत्र के विशेषज्ञ ठाकुर प्रसाद मुर्मू, डॉ. शर्मिला सोरेन, विलियम हांसदा, मीनाक्षी . मुर्मू, विन्सेंट मरांडी एवं डॉ. आशा कुमारी सहित विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न तकनीकी एवं भाषाई पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान भौतिकी के वैज्ञानिक शब्दों के हिंदी एवं संथाली रूपांतरण, उनकी भाषाई उपयुक्तता तथा मानकीकरण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने कहा कि भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का विकास महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जटिल वैज्ञानिक विषयों को समझने में सहायता मिलेगी तथा भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा के विस्तार को गति मिलेगी। कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने कहा कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान को भारतीय भाषाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग तथा सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि त्रिभाषीय शब्दावली का निर्माण शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उपयोगी संसाधन के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के सहायक निदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने आयोग की ओर से भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

विवाश्री मिस एंड मिसेज झारखंड 2026 का भव्य ग्रैंड फिनाले संपन्न

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: होटल रामाडा, बरियातू में रविवार को विवाश्री मिस एंड मिसेज झारखंड 2026 का भव्य ग्रैंड फिनाले उत्साह और आकर्षण के बीच संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, मंचीय प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर सहित विभिन्न चरणों में अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसमें विवाश्री प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रकाश सिंह, सेंट्रो के विपणन प्रबंधक जितेंद्र नाथ मिश्रा तथा आइस ब्रेकर ओशन विजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रवीण सिंह शामिल हुए। इसके बाद निर्णायक मंडल के सदस्यों का स्वागत किया गया और उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक के रूप में मिसेज वर्ल्ड 2022 सरगम कौशल मौजूद रहीं। निर्णायक मंडल में आशिमा कुमार तथा झारखंड कैंसर सेंटर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्वेता नारायण भी शामिल थीं।

आयोजक एवं आइस ब्रेकर ओशन विजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रवीण सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से फाइनल के लिए 15 मिसेज और 12 मिस प्रतिभागियों का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि विजेताओं को आगे मिस वर्ल्ड और मिसेज वर्ल्ड स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्हें विभिन्न ब्रांड के विज्ञापनों में काम करने के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे।

मिसेज वर्ल्ड 2022 सरगम कौशल ने कहा कि ऐसे सौंदर्य प्रतियोगिता मंच महिलाओं को अपनी आवाज, व्यक्तित्व और प्रतिभा को सामने रखने का अवसर देते हैं। परिवार का सहयोग और प्रोत्साहन मिले तो महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। झारखंड कैंसर सेंटर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्वेता नारायण ने कहा कि वह स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और चाहती हैं कि महिलाएं समाज सुधार में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के आत्मविश्वास के साथ उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के प्रबंधन की क्षमता को भी परखा गया।

कई चरणों में हुई प्रतियोगिता– प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सौंदर्य प्रतियोगिता के परिचय दौर में मिस झारखंड वर्ग की 11 प्रतिभागियों ने मंच पर अपना परिचय दिया और आत्मविश्वास के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे चरण में मिस झारखंड परिचय दौर आयोजित हुआ, जिसमें 16 प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधान में प्रस्तुति दी। इसके बाद रैंप वॉक, मंचीय प्रस्तुति और प्रश्नोत्तर दौर आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने अपनी व्यक्तित्व क्षमता, आत्मविश्वास, प्रस्तुति कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुकुट पहनाने का समारोह और विजेताओं की घोषणा रही। विजेताओं के नाम घोषित होते ही दर्शकों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। पूरा आयोजन उत्साह और उमंग से सराबोर रहा।कार्यक्रम का आयोजन आइसब्रेकर ओशन विजन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से किया गया।

वर्तमान राजनीति में युवाओं की भागीदारी जरूरी......

देश को आगे ले जाने के लिए युवा आएं आगे: विधायक चंद्रदेव महतो

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

बलियापुर/धनबाद: इंकलाबी नौजवान सभा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन धनबाद सर्किट हाउस में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक सोनू शर्मा के कुशल नेतृत्व में की गई। इस विशेष बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सिंदरी के माननीय विधायक चंद्रदेव महतो और इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय महासचिव नीरज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि 'वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। देश को सही दिशा में आगे ले जाने

के लिए युवाओं को बढ़-चढ़कर आगे आना होगा। '

बैठक में उपस्थित सदस्य:-इस बैठक में संगठन के कई सक्रिय पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिनके नाम इस प्रकार हैं:राजीव मुखर्जी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, बिमल रवानी, सम्राट चौधरी, विजय रजक, मंटू कुमार, राजू कुमार रजक, मोहम्मद हसन अंसारी, टीटू सिंह, जितेन्द्र शर्मा, सुजीत कुमार, महेश रवानी, प्रदीप कुमार महतो, नृपेन्द्र कुमार झा, नागेन्द्र राय, कृष्णा दान, आकाश भूमिज, सूरज दुबे, सनी सिंह, मिहिर कुमार दास, शेख अतीकुर रहमान, राज डे, शम्पादो बाउरी, आदित्य मुखर्जी, आकाशदीप महतो, चेतलाल महतो।

बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर सर्वसम्मति से चर्चा हुई और निर्णय लिए गए:

1. सदस्यता अभियान की समीक्षा करना: संगठन से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई तथा इसे और अधिक प्रभावी बनाने की योजना तैयार की गई।
2. RYA (इंकलाबी नौजवान सभा) के सम्मेलन पर चर्चा: आगामी सम्मेलन की रूपरेखा, उसकी तैयारियों तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।
3. धनबाद जिला में संगठन विस्तार: धनबाद जिले के प्रत्येक क्षेत्र में संगठन की पैठ मजबूत करने और युवाओं के मुद्दों को मुखरता से उठाने हेतु व्यापक संगठन विस्तार पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ।

स्वच्छता ही सेवा' अभियान: विश्व पर्यटन दिवस पर तोपचांची झील परिसर में चला विशेष स्वच्छता अभियान, दिया गया स्वच्छता का संदेश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

'स्वच्छता ही सेवा 2026' पखवाड़े के तहत विश्व पर्यटन दिवस के पावन अवसर पर धनबाद जिला अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल तोपचांची झील परिसर में स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-2, धनबाद के तत्वावधान में आयोजित किया गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी तोपचांची द्वारा किया गया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने हाथों में झाड़ू थामकर तोपचांची झील तट एवं आसपास के परिसर की साफ-सफाई की तथा पर्यटकों व स्थानीय लोगों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।विश्व पर्यटन दिवस एवं स्वच्छता अभियान के उपलक्ष्य में गोमो बालिका विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को बीडीओ द्वारा प्रशस्ति एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने छात्राओं के उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्वच्छता का दूत बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली शिक्षकों, जल सहियाओं और ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सभी ने अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने, एकल-उपयोग प्लास्टिक का बहिष्कार करने तथा जल स्रोतों व सार्वजनिक पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।इस स्वच्छता अभियान में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य, गोमो बालिका विद्यालय के प्रधानाध्यापक, नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना पदाधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की जिला समन्वयक, जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की जल सहियाएं, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

युवाओं को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ, 100 की हुई स्वास्थ्य जाँच

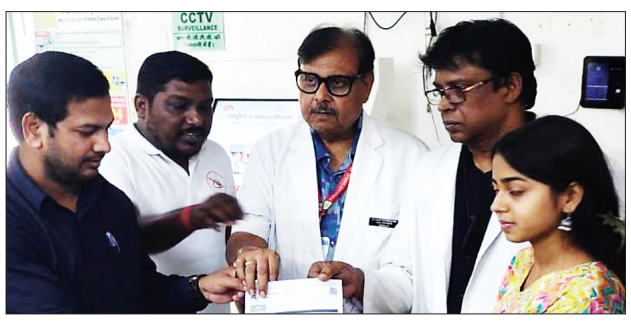

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/

धनबाद। भारत सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' का विधिवत शुभारंभ रविवार को सदर अस्पताल, धनबाद के परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा एवं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष मेडिकल हेल्थ कैंप (स्वास्थ्य शिविर) का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 युवाओं की स्वास्थ्य जाँच की गई।

इसके बाद युवाओं एवं आमजनों के लिए एक विशेष उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक ने नशे के गंभीर शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं का स्वस्थ और नशा-मुक्त होना अत्यंत आवश्यक है

कार्यशाला में एनसीडी सेल के तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सोशल वर्कर शुभांकर मैत्रा ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से तम्बाकू और अन्य मादक पदार्थों से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी।कार्यक्रम के समापन पर सिविल सर्जन ने सभी लोगों एवं युवाओं को जीवन में कभी भी नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सदर अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी, सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी, एनसीडी सेल के कर्मी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय युवा एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों में एसआईआर से संबंधित पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की बैठक

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह व्यवस्था की गई है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर नोटिस की सुनवाई के लिए मतदाताओं को श्वञ्ह कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी।वर्तमान स्ढ्ढक्र के दौरान जिन व्यक्तियों को अनमैप्ड अथवा लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के संबंध में नोटिस जारी किया गया है, उनके घर पर ड्ढरुह्र द्वारा स्वयं जाकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर श्वष्टढ्ढहृद्गह्ल पर अपलोड किए जाएंगे, ताकि श्वञ्ह द्वारा नियमानुसार निर्णय लिया जा सके। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आवश्यकतानुसार बीएलओ को घर-घर सत्यापन के दौरान बीएलओ सुपरवाइजर के द्वारा सहयोग किया जाए साथ ही वैसे बीएलओ जो तकनीकी रूप से श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज पर दस्तावेजों को अपलोड करने में कमजोर हैं, उनकी सहायता हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी आवश्यकतानुसार वॉलेंटियर एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं। पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि स्ढ्ढक्र के दौरान जिन व्यक्तियों को अनमैप्ड अथवा लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी सूची में नोटिस प्राप्त है, ऐसे व्यक्तियों को सामान्यतः ERO/AERO कार्यालय में व्यक्तिगत सुनवाई हेतु बुलाने की आवश्यकता नहीं होगी। केवल असाधारण परिस्थितियों में, श्वञ्ह के निर्णयानुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसे ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर निर्वाचक द्वारा परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से सुनवाई में उपस्थित होने के लिए अधिकृत किया जा सकेगा। साथ ही, जिला निर्वाचन पदाधिकारी ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को सुदृढ़ एवं पर्याप्त रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन मतदाताओं को पूर्व में नोटिस की सुनवाई के लिए निर्धारित स्थल पर आने की सूचना दी जा चुकी है और वे स्वयं सुनवाई स्थल पर पहुंचते हैं, ऐसी स्थिति में वहां संबंधित पदाधिकारी उपलब्ध रहें। कोई भी मतदाता सुनवाई के लिए आए और उसे संबंधित पदाधिकारी उपलब्ध न मिले, ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी आवश्यकतानुसार रात्रि आश्रय स्थलों में रहने वाले व्यक्तियों, श्रमिकों, गरीब, बेघर एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क/विशेष शिविर आयोजित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है वहां कैंप मोड में डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करें। इसके साथ-साथ आउटरीच प्रोग्राम के तहत मतदाताओं को फॉर्म 6 के माध्यम से मतदाता सूची में जोड़ने एवं वर्तमान में मतदाताओं से प्राप्त फॉर्म 6, 6 , 7 एवं 8 द्वारा प्राप्त आवेदनों का डिजिटाईजेशन एवं जिन मामलों में सुनवाई की आवश्यकता है, उनके लिए नोटिस जेनरेट करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाएं। पदाधिकारी धिकारी के. रवि कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत मतदाताओं को जारी नोटिस की सुनवाई के दौरान पदाधिकारियों को ठोस, स्पष्ट एवं कारणयुक्त स्पीकिंग ऑर्डर पारित करने का निर्देश दिया है।

सीआरपीएफ कैंप में हवलदार की मौत, अपनी ही राइफल से लगी गोली, जांच में जुटे अधिकारी

रांची, एजेंसी। राजधानी के तिरिल स्थित कैंप में सीआरपीएफ हवलदार ने आत्महत्या कर ली. हवलदार की खुद की राइफल से गोली चली है. मौके पर ही उनकी मौत हो गई. मृतक जवान की पहचान भुवनेश्वर पाल के रूप में हुई है. वह डालटनगंज के रहने वाले थे और रांची स्थित सीआरपीएफ के तिरिल कैंप में पदस्थापित थे. जानकारी के मुताबिक, हवलदार भुवनेश्वर पाल ने आत्महत्या कर ली. गोली चलने की आवाज के बाद कैंप में मौजूद जवान और अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई. सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने जवान की मौत की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि जवान की गोली लगने से मौत हुई है. फिलहाल घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है. जवान की ड्यूटी, घटना से पहले की गतिविधियों और अन्य परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है, साथ ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारी मामले की जांच के बाद ही घटना के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने की बात कह रहे हैं. जवान के शव को आवश्यक प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है.

झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन का 9वां कैटरर्स दिवस धूमधाम से संपन्न

▶▶ कैटरर्स को वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी, ट्रेड लाइसेंस और फूड लाइसेंस को लेकर दी गई जानकारी

दैनिक अलग पहचान डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन का 9वां कैटरर्स दिवस शनिवार को पुनदाग स्थित ग्रेविटास बैंक्वेट हॉल में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक नवीन शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि दीपेश निराला, एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथियों ने मां अन्नपूर्णा को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि शशांक भारद्वाज ने कैटरर्स को वित्तीय प्रबंधन और छोटी-छोटी बचत के महत्व की जानकारी दी। अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने कहा कि संस्था अपने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। भविष्य में कैटरर्स परिवार को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद मुरली और सहयोगी कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सीए हर्ष अग्रवाल ने जीएसटी और ट्रेड लाइसेंस के महत्व की जानकारी दी। साथ ही फूड लाइसेंस को लेकर कैटरर्स के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।द्वारिका प्रसाद को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्डकार्यक्रम में स्व. महावीर शर्मा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड उनके पुत्र दीपेश शर्मा ने धनबाद के वरिष्ठ कैटरर द्वारिका प्रसाद को प्रदान किया। वहीं स्व. अंबिका प्रसाद प्रतिभा सम्मान पुरस्कार ख्याति राज, धीरांश राज, वंदना जैन, तक्षशिला जैन, वीर सिंह राठौड़, शानवी, अनन्या, शांभवी, अंजलि, रुद्रांश, सृष्टि और विवान को दिया गया।संस्था की ओर से उत्कृष्ट कार्य के लिए राहुल कश्यप, दीपेश, नवीन, अजय खैतान, रोशन, अमरजीत, ज्योतिष, सुधीर, विनय, सुभाष, राकेश, पंकज और प्रेम अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न कंपनियों और संस्थानों की ओर से स्टॉल लगाए गए। इनमें ग्रेविटास बैंक्वेट, इंडियन ऑयल, क्लियर वाटर, पैरट मसाला, सुख फैब्रिक्स दिल्ली, मोगली बेक, अभिषेक एजेंसी, होटल वियर, सुधा प्लस, प्यूरेश, सुकून मुखवास, होटल वेयर स्टूडियो, आदित्य एजेंसी और अमृत जीवन जल सहित अन्य शामिल रहे।कार्यक्रम में लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को संस्था की ओर से पुरस्कार दिए गए। धन्यवाद ज्ञापन एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी राहुल कुमार कश्यप ने किया।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की जयंती, झारखंड कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

रांची, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई. प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, राजेश ठाकुर सहित कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

इस दौरान झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में देश की आर्थिक प्रगति और अधिकार आधारित कानूनों के निर्माण में उनके योगदान को याद किया. उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देश ने विकास के साथ-साथ आम लोगों के अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए.

के. राजू ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), सूचना का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, भूमि अधिग्रहण कानून और वन अधिकार अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण कानूनों को लागू किया गया.

उन्होंने कहा कि इन कानूनों ने गरीबों, ग्रामीणों और वंचित वर्गों को अधिकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गरीबी कम करने और देश को आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयासों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी.

के राजू ने कहा कि एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन करेगी. उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस की रणनीति और विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा साझा की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को हो रही परेशानियों और मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने के मुद्दे को लेकर देशव्यापी आंदोलन करेगी. सोमवार को झारखंड में भी हर जिले और प्रखण्ड में धरना प्रदर्शन होगा.

के. राजू ने आरोप लगाया कि झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. उनके अनुसार, झारखंड में अब तक करीब 50 लाख मतदाताओं को नोटिस दिए जाने की बात सामने आई है. नोटिस मिलने के बाद लोग आवश्यक दस्तावेज लेकर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के कार्यालय पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

उन्होंने दावा किया कि देशभर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं. के. राजू ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लोकतंत्र और मताधिकार से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय मानते हुए इसके खिलाफ व्यापक अभियान चलाएगी.

के. राजू ने बताया कि कांग्रेस पार्टी सोमवार को झारखंड के प्रत्येक जिले में विरोध प्रदर्शन करेगी. इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के नेतृत्व में प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा और जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें और उनके द्वारा लिए गए फैसलों को वापस लिया जाए.

के. राजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लेकर देशभर में संघर्ष करेगी और आम लोगों के मताधिकार की रक्षा के लिए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी. उन्होंने ष्टश्वष्ट और स्ढ्ढक्रके मुद्दे पर

कांग्रेस प्रभारी ने बताया कि 29 सितंबर को कांग्रेस कार्यसमिति की विशेष बैठक बुलाई गई है. इस बैठक में स्ढ्ढक्रके मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और यह तय किया जाएगा कि इस विषय को देशभर में किस तरह आगे बढ़ाया जाए.

पलामू से लापता तीन नाबालिग लड़कियां सकुशल बरामद, बिहार के गोपालगंज से किया गया रेस्क्यू

पलामू, एजेंसी। जिला पलामू के मेदिनीनगर से लापता तीन नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने बिहार के गोपालगंज से बरामद किया है. तीनों नाबालिग बिहार के गोपालगंज में नेपाल से सटे हुए इलाकों में मजदूरी का कार्य कर रही थीं.

दरअसल, मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से 24 सितंबर को तीन नाबालिग लड़कियां गायब हो गई थी. परिजनों ने पूरे मामले में पुलिस को जानकारी दी. जिसके बाद पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया.

तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पलामू पुलिस को सूचना मिली कि तीनों नाबालिग बिहार के गोपालगंज के इलाके में हैं. इसी सूचना के आलोक में मेदिनीनगर टाउन थाना की पुलिस की एक स्पेशल टीम बिहार के गोपालगंज के एक इलाके में गई. वहां से तीनों नाबालिग का रेस्क्यू किया गया.

'मेदिनीनगर से तीन नाबालिग लड़कियां गायब हो गई थीं. तीनों को बरामद कर लिया गया है. तीनों के गायब होने के मामले में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था.' - कपिल चौधरी, पलामू एसपी

बरामद तीन लड़कियों में दो चचेरी बहने हैं. दरअसल, नाबालिग लड़कियों के गायब होने के दर्ज मामले 24 घंटे के बाद अपहरण के मामले में तब्दील हो जाते हैं. घटना से पहले तीनों लड़कियां मेदिनीनगर के गांधी पार्क घूमने के लिए गई हुई थीं. उसके बाद वह घर वापस आ गई थीं. जहां पर तीनों को डांट पड़ी थी. डांट से नाराज होकर तीनों लड़कियां घर से बाहर चली गई थीं.

लगातार बारिश से देवघर का बिगड़ा हाल, एयरपोर्ट से पानी निकासी के लिए खोले गए एक्जिट गेट

देवघर, एजेंसी। जिला में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है. लगातार बारिश के कारण देवघर शहर के कई हिस्सों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है, जबकि जिले की कई नदियां भी उफान पर हैं. सड़कों और नालियों पर पानी बहने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

जसीडीह स्थित डहरवा नदी में लगातार बारिश के बाद पानी का बहाव काफी तेज हो गया है. वहीं, शहर की कई सड़कों और नालियों में पानी भर जाने से जल निकासी व्यवस्था भी प्रभावित दिखाई दे रही है.

देवघर एयरपोर्ट के निचले हिस्से में पानी जमा होने के बाद प्रबंधन को चारों ओर के एग्जिट गेट खोलकर पानी की निकासी करनी पड़ी. स्थानीय लोगों के मुताबिक, एयरपोर्ट परिसर से भारी मात्रा में बारिश का पानी निकलने के कारण आसपास के गांवों की कई सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं.

लगातार बारिश के साथ चक्रवाती तूफान का असर जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिला. सारठ, पालाजोरी और सारवां प्रखंड के कई ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है. कई परिवारों के सामने बारिश के बीच रहने और भोजन की समस्या खड़ी हो गई है.

पालाजोरी प्रखंड में बारिश और तूफान के कारण बेघर हुए लोगों तक स्थानीय विधायक की ओर से तत्काल राहत पहुंचाई गयी. प्रभावित परिवारों के बीच सूखा भोजन और कंबल का वितरण कराया गया. वहीं, लगातार बारिश के कारण जिले के कई ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है. घरों को नुकसान पहुंचने के बाद पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन से राहत और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है.

लगातार बारिश और तूफान से उत्पन्न स्थिति को लेकर देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि जिले के सात्तर गांव का संपर्क टूटने की जानकारी मिलते ही संबंधित कार्यपालक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं.

एआईओएस मिड-टर्म सम्मेलन 2026:

आधुनिक नेत्र शल्य चिकित्सा पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

रांची, एजेंसी। ऑल इंडिया ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी एवं झारखंड ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 5वें एआईओएस मिड-टर्म सम्मेलन रांची में चल रहा है. इस सम्मेलन के दूसरे दिन नेत्र विज्ञान की आधुनिक तकनीकों, उन्नत शोधों और व्यापक जन-जागरूकता के नाम रहा. देश-विदेश से जुटे प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञों ने विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों, हैंड्स-ऑन कार्यशालाओं और अकादमिक डिबेट में सक्रिय भागीदारी दिखाई. इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को आम मरीजों तक सुरक्षित एवं सुलभ रूप से पहुंचाना है. इस अवसर पर एआईओएस के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जे. एस. तितियाल, मानद महासचिव डॉ. संतोष जी. होनावर, वैज्ञानिक समिति की अध्यक्षा प्रो. (डॉ.) नम्रता शर्मा, आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. पी. कश्यप एवं आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर हो रहे नवाचार,शोधों और कौशल विकास पर विशेष बल दिया.

मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा की जटिलताओं तथा 'पोस्टीरियर कैप्सुलर रप्चर' सटीक प्रबंधन पर मास्टरक्लास का आयोजन कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन आयोजित हुई. इसके साथ ही आधुनिक ट्राइ-फोकल एवं ईडॉफ इंट्राओकुलर लेंस तकनीकों पर विशेषज्ञों ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए. विट्रेओ-रेटिनल सर्जरी, डायबिटिक रेटिनोपैथी के उन्नत उपचार तथा नेत्र जांच में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वपूर्ण भूमिका पर गहन विचार-विमर्श हुआ.

पीडियाट्रिक ऑफ्थल्मोलॉजी (बाल नेत्र रोग) के अंतर्गत बच्चों में तेजी से बढ़ रहे मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) के निवारण तथा स्क्रीन टाइम के दुष्प्रभावों पर केंद्रित विशेष वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए. हैंड्स-ऑन वर्कशॉप के तहत युवा नेत्र चिकित्सकों के कौशल संवर्धन के लिए सर्जिकल स्किल ट्रांसफर कोर्सेज और डायग्नोस्टिक कोर्सेज संचालित हुए. जहां अत्याधुनिक सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया.

ऑल इंडिया ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. चित्रा रामामूर्ति ने आंखों में होने वाले बदलावों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर नेत्र जांच कराना बेहद जरूरी बताया. उन्होंने मोतियाबिंद के लक्षणों के बावजूद जांच टालने की प्रवृति को सबसे बड़ी गलती बताया. उन्होंने कहा कि सिर्फ बल्कि कई बार रात में रोशनी से चकाचौंध (त्द्यड्डह्म्ह्र), तेज रोशनी देखने में परेशानी और रंगों व वस्तुओं के बीच अंतर कम पहचान पाना भी मोतियाबिंद के पलक्षण हो सकते हैं. उम्र बढ़ना, डायबिटीज और आंख में चोट इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं.

उन्होंने कहा कि हर मरीज को मोतियाबिंद का पता चलते ही तुरंत ऑपरेशन की जरूरत नहीं होती है. जब दृष्टि पढ़ने, काम करने, ड्राइविंग, चलने-फिरने या रोजमर्रा की गतिविधियों में बाधा डालने लगे और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होने लगे, तब सर्जरी पर विचार किया जाता है. उन्होंने कहा कि आज फेको या रोबोटिक (फेम्टोसेकंड लेजर आधारित) तकनीक से धुंधले प्राकृतिक लेंस को हटाकर कृत्रिम आईओएल लगाया जाता है. इसमें अत्याधुनिक तकनीक सर्जरी के कुछ चरणों में सहायता जरूर करती है, लेकिन सर्जरी का निर्णय, नियंत्रण और अंतिम जिम्मेदारी नेत्र सर्जन की ही होती है.

उन्होंने बताया कि मरीज की जरूरत के अनुसार मोनोफोकल, मल्टीफोकल, ट्राइफोकल, श्वष्ठह्स्न या टॉरिक लेंस का विकल्प चुना जा सकता है. डॉ. चित्रा राममूर्ति ने कहा कि मोतियाबिंद दोबारा नहीं बनता सर्जरी के बाद सामान्यतः मोतियाबिंद वापस नहीं आता है. ऑल इंडिया ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी के मानद महासचिव डॉ. संतोष जी. होनावर ने कहा कि बच्चे की तस्वीर लेते समय या सामान्य रूप से उसकी पुतली में दिखने वाली सफेद चमक केवल कैमरे का फ्लैश नहीं हो सकती. इसे मामूली समझकर नजरअंदाज न करें, यह रेटिनोब्लास्टोमा (बच्चों की आंख

धनबाद में गजलीटांड़ खदान हादसे की 32वीं बरसी, शहीद श्रमिकों को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद, एजेंसी। जिला के बाघमारा में गजलीटांड़ खदान दुर्घटना की आज 32वीं बरसी मनाई गयी. यहां शहीद की वेदी पर गणमान्य लोगों के साथ आम लोगों ने शहीद श्रमिकों को नमन कर उन्हें याद किया.

26 सितंबर 1994 की उस काली रात को हुए भीषण हादसे में खदान में काम कर रहे 64 श्रमिकों की जान चली गई थी. कतरी नदी का पानी अचानक खदान में घुसने से पूरी खदान जलमग्न हो गई थी और देखते ही देखते कई परिवारों ने अपने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया.

इस हादसे की 32वीं बरसी पर गजलीटांड़ मैदान स्थित शहीद स्तंभ परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस मौके पर बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा समेत कई जनप्रतिनिधियों और मजदूर यूनियन के नेताओं ने शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी.

गजलीटांड़ खान हादसे की बरसी पर पूरा माहौल भावुक नजर आया. बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा सहित मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पित कर हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों को नमन किया.

आरसीएमएस के वरिष्ठ नेता ए.के. झा समेत विभिन्न मजदूर यूनियनों के प्रतिनिधि भी श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए. सभी ने 32 साल पुराने उस हादसे को याद करते हुए कहा कि गजलीटांड़ की घटना ने खनन सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए थे और यह हादसा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी सीख है.

शहीद श्रमिकों के परिजन भी हर साल की तरह इस बार श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे. परिजनों ने शहीद स्तंभ पर पूजा-अर्चना कर दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. इसके साथ ही परिसर में पौधारोपण भी किया गया.

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे लोगों ने शहीद श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना. इस दौरान परिजनों ने हादसे के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और तत्कालीन प्रबंधन की ओर से किए गए उन वादों को भी याद दिलाया, जो उनके परिवारों की सुविधाओं और भविष्य से जुड़े थे. परिजनों ने बीसीसीएल के सीएमडी के सामने अपनी मौजूदा समस्याएं रखीं और लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने का आग्रह किया. इस दौरान परिजनों का दर्द भी सामने आया. उन्होंने बताया कि हादसे को तीन दशक से अधिक समय बीत चुका है लेकिन परिवार आज भी कई परेशानियों से जूझ रहे हैं.

32 साल बाद भी गजलीटांड़ खान हादसे की यादें लोगों के जेहन में ताजा हैं. हर वर्ष आयोजित होने वाली यह श्रद्धांजलि सभा न सिर्फ शहीद श्रमिकों को याद करती है, बल्कि खनन क्षेत्र में सुरक्षा के महत्व की भी याद दिलाती है.

रांची के स्कूल में बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौनाचार, आरोपी छात्र को भेजा गया बाल सुधार गृह

रांची, एजेंसी। जिला के पिठोरिया थाना क्षेत्र के चंदवे स्थित एक निजी स्कूल के हॉस्टल में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले 11 वर्षीय छात्र के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. आरोप उसी स्कूल के नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 16 वर्षीय छात्र पर है.

इस घटना के बाद पुलिस ने नाबालिग आरोपी को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेज दिया है. मामले में स्कूल और हॉस्टल प्रबंधन की भूमिका भी जांच के दायरे में है. प्रबंधन पर घटना की जानकारी मिलने के बावजूद पीड़ित के परिजनों और पुलिस को समय पर सूचना नहीं देने का आरोप है.

पुलिस के अनुसार, घटना 21 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है. पीड़ित और आरोपी दोनों स्कूल परिसर में स्थित हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं. आरोप है कि सीनियर छात्र ने पांचवीं कक्षा के छात्र को डरा-धमकाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया. इस घटना के बाद बच्चा काफी भयभीत हो गया था.

इस घटना का खुलासा अगले दिन 22 सितंबर को हुआ. पीड़ित छात्र ने हिम्मत जुटाकर फोन के जरिए अपने परिजनों से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी. परिजनों के अनुसार, फोन पर बात करते समय बच्चा काफी डरा हुआ और रो रहा था. इसके बाद परिवार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस से शिकायत की.

पलामू में जल जीवन मिशन की परियोजना की हालत खराब, 13 में से एक हुई पूरी, सांसद ने कहा- अधिकारियों में नहीं है समन्वय

पलामू, एजेंसी। जिला पलामू में जल जीवन मिशन परियोजना के तहत 13 ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं का क्रियान्वयन होना है. 13 में में मात्र एक ही परियोजना पूरी हो पाई है. बाकी की परियोजनाओं का कार्य बेहद ही धीमी गति से चल रहा है. इस बात का खुलासा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में हुआ है. बैठक की अध्यक्षता पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने की. बैठक में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर समेत जिले के कई विधायक और उनके प्रतिनिधि मौजूद थे.

इस मीटिंग में कई विभागों की समीक्षा की गई और कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश जारी किया गया. बैठक में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि प्रशासनिक अधिकारियों के बीच आपस में समन्वय नहीं है. स्वास्थ्य विभाग की अलग से समीक्षा करने का निर्णय लिया गया है और यह समीक्षा बैठक अगले महीने होगी. पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने बैठक के बाद बताया कि जिले के अधिकारियों के बीच आपस में बेहतर समन्वय नहीं है. उन्होंने कहा कि उन्हें समन्वय बनाकर कार्य करने की जरूरत है. जल जीवन मिशन की परियोजनाओं की हालत पलामू में ठीक नहीं है.

पलामू में 13 परियोजनाओं पर क्रियान्वयन होना है जिनमें से मात्र एक सतबरवा में संचालित है जिससे 8000 घरों को पानी मिल रहा है. बाकी के परियोजनाओं में अपेक्षाकृत प्रगति नहीं. सांसद ने कहा कि कई बिंदुओं पर बैठक में निर्देश जारी किए गए हैं और जल जीवन मिशन की परियोजनाओं को पूरा करने को कहा गया है. पेयजल आपूर्ति को लेकर यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण है.

चक्रवाती तूफान अर्णब का हजारीबाग में व्यापक असर, 36 घंटे से शहर-गांव में ब्लैकआउट

हजारीबाग, एजेंसी। जिला में चक्रवात तूफान अर्णब का असर देखने को मिल रहा है. पिछले तीन दिनों से लगातार हजारीबाग में बारिश हो रही है. जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है.

सबसे अधिक परेशानी लोगों को बिजली से हो रही है. तूफान के कारण जिले में लगभग 70 से 80 बड़े-बड़े पेड़ गिर चुके हैं. जिससे बिजली के तार जगह-जगह टूट गए हैं. इस कारण लगभग 48 घंटा से पूरा शहर ब्लैकआउट हो चुका है. लोग मोमबत्ती और लालटेन का सहारा ले रहे हैं. वहीं शहर के अधिकतर प्रतिष्ठा भी बंद है. सबसे अधिक परेशानी ग्रामीणों को हो रही है.

हजारीबाग में चक्रवाती तूफान अर्णब का व्यापक असर देखने को मिल रहा है. तेज हवाओं और लगातार हो रही बारिश के कारण शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है. पिछले करीब 36 घंटे से हजारीबाग शहर के कई हिस्सों समेत ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है. बिजली विभाग के अनुसार, तेज हवा के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 70 से 80 पेड़ गिर गए, जिसकी चपेट में आने से बिजली के तार और पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं.

बिजली विभाग के डिप्टी जनरल मैनेजर अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि बिजली व्यवस्था बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है. विभाग की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर टूटे तार और क्षतिग्रस्त बिजली संरचनाओं को दुरुस्त करने में जुटी हैं. इन्होंने उम्मीद जताई कि अगले एक घंटे के भीतर हजारीबाग शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सामान्य करने की स्थिति में विभाग पहुंच जाएगा. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी शनिवार शाम तक बिजली आपूर्ति शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है. इन्होंने कहा कि यदि मौसम या किसी अन्य कारण से कोई नया व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ तो बिजली व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह बहाल कर दिया जाएगा.

अशोक कुमार उपाध्याय ने बिजली उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के लिए खेद जताते हुए माफी मांगी. इन्होंने कहा कि चक्रवाती तूफान के कारण उत्पन्न परिस्थितियों से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है. विभाग लगातार इसे सामान्य करने में जुटा है. उन्होंने बताया कि बड़कागांव, इचाक और कटकमदाग प्रखंड के करीब आधे हिस्से में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है.अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी मरम्मत कार्य जारी है.

हजारीबाग के स्थानीय बताते हैं पिछले दो-तीन दिनों से हजारीबाग में तुफान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है. 36 घंटा से अधिक समय से बिजली गुल है, पूरा शहर ब्लैक आउट है, जगह जगह पर जल जमाव है, लोग खासे परेशान हैं. शहर का अधिकतर दुकान बंद है. बिजली के कारण लोग परेशान है. तूफान अर्णब के प्रभाव से हजारीबाग में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई. कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए और आपूर्ति बाधित हो गई.

योगेंद्र साव के बयान पर निर्णय लेने के लिए बैठी कांग्रेस की अनुशासन समिति

रांची, एजेंसी। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई को लेकर झारखंड कांग्रेस मुख्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर रामेश्वर उरांव की अध्यक्षता में अनुशासन कमिटी की बैठक हुई.

इसी बीच ठीक उसी वक्त पहले फ्लोर पर योगेंद्र साव निशाने पर वर्तमान गठबंधन सरकार और हेमन्त सरकार पर निशाना साधते रहे.

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव कहते हैं कि हम अपने बयानों के लिए माफी क्यों मांगें जनता के मुद्दे उठाना मेरी जिम्मेदारी है और वह मुद्दों को उठाते रहेंगे. उन्होंने कहा कि क्या यह सही नहीं है कि सत्ता में सहयोगी होने के बावजूद कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की घोर उपेक्षा हो रही है.

योगेंद्र साव कहते हैं कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए वह किसी भी हद तक जाएंगे. झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच गठबंधन की राजनीति के बीच योगेंद्र साव ने अपने बयानों को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है.

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में फिर कहा कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष अपनी बात विस्तारपूर्वक रख दी है. उन्हें उम्मीद है कि नेतृत्व उनकी बातों से नेतृत्व सहमत होगा. उन्होंने पूर्व में दिए अपने बयानों का बचाव करते हुए कहा कि झारखंड में जनता के साथ हो रही समस्याओं को उठाना उनकी जिम्मेदारी है और इसके लिए उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं है.

योगेंद्र साव ने कहा कि कांग्रेस एक अनुशासित पार्टी है और पार्टी के फैसले का सम्मान किया जाएगा. उन्होंने सवाल उठाया कि अनुशासनात्मक कार्रवाई केवल कांग्रेस नेताओं पर ही क्यों होनी चाहिए, जबकि झामुमो के कुछ नेताओं की ओर से भी कथित तौर पर विवादित बयान दिए गए हैं.

अपने बयानों पर माफी मांगने के सवाल पर योगेंद्र साव ने दो-टूक कहा कि झारखंड में जो परिस्थितियां बन रही हैं, उन्हें सामने लाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह परिस्थितियों के कारण कहा. राज्य में जनता, विस्थापितों, किसानों, छात्रों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. योगेंद्र साव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जमीन पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में जनता के मुद्दों को उठाना उनकी राजनीतिक और संगठनात्मक जिम्मेदारी है.

योगेंद्र साव ने झामुमो के कुछ नेताओं के बयानों का जिक्र करते हुए कांग्रेस के साथ गठबंधन के स्वरूप पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि झामुमो के कुछ नेताओं-विधायकों की ओर से भी अधिकारियों और प्रशासन को लेकर बयान दिए गए हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस केवल अपने नेताओं पर ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी

योगेंद्र साव ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसी दूसरी पार्टी के दबाव में काम नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक स्वतंत्र राजनीतिक दल है और उसे अपने कार्यकर्ताओं तथा जनता के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए.

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने आरोप लगाया कि गठबंधन सरकार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपेक्षित महत्व नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपेक्षा होती रही और मौजूदा सरकार में भी स्थिति में पर्याप्त बदलाव नहीं आया है. इस सरकार में प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच रहते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और कई बार इन्हीं मुद्दों को लेकर आंदोलन करते हुए कानूनी कार्रवाई का सामना भी करते हैं. विस्थापन, जमीन और मुआवजे को लेकर सरकार पर योगेंद्र साव ने सवाल उठाया.

राज्य में विस्थापन, जमीन अधिग्रहण और मुआवजे से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए आरोप लगाया कि कई जगहों पर गरीबों के मकानों को तोड़ा जा रहा है और प्रभावित लोगों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने हजारीबाग के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विस्थापितों और रैयतों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए.

योगेंद्र साव ने आरोप लगाया कि विरोध करने वाले लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, मुआवजा और विस्थापन जैसे मुद्दों पर जनता की आवाज उठाना जरूरी है.

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की बात करते हुए योगेंद्र साव ने राहुल गांधी के विचारों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर भी स्लीपर सेल है जो राहुल गांधी और के राजू को गलत फीड बैक देता है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कमजोर करने वालों की पहचान करना और संगठन को मजबूत बनाना जरूरी है. उनके मुताबिक, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की समस्याओं को पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाना भी उनकी जिम्मेदारी है.

योगेंद्र साव ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ हैं और पार्टी को मजबूत करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं. उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और अंतिम निर्णय हाईकमान का होगा, जिसे वह स्वीकार करेंगे.

योगेंद्र साव ने अपने पिछले अनुशासनात्मक मामले का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने पहले उनके खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन बाद में उनका निष्कासन वापस ले लिया गया. उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी पार्टी उनके पक्ष को समझेगी. योगेंद्र साव ने अपने उठाए गए मुद्दों की जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि उनके आरोप गलत साबित होते हैं, तो वह राजनीति छोड़ने तक को तैयार हैं. उन्होंने कहा कि उनके द्वारा उठाए गए मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके.

मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व मंत्री ने दोहराया कि छ्वक्रस्ह्र-छ्वस्स्ह्र सीजीएल परीक्षा घोटाला में 500 करोड़ की डील हुई है और इस मामले की सीबीआई जांच जरूरी है. उन्होंने कहा कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए सीबीआई जांच होनी चाहिए. योगेंद्र साव ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला गया है और उम्मीद है कि पूरे मामले की सीबीआई जांच का आदेश न्यायालय देगी.

संक्षिप्त समाचार

28 सितंबर से 3 दिन बंद रहेंगे बैंक

पटना, एजेंसी। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर बैंक कर्मचारी एक बार फिर हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के मुताबिक देशभर के करीब 8 लाख बैंक अधिकारी और कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल होंगे. यह हड़ताल 28 सितंबर, 29 सितंबर और 30 सितंबर को होने जा रही है. इन तारीखों के दौरान लगातार तीन दिनों तक देशभर की बैंक शाखाएं पूरी तरह बंद रहेंगी. इस बंदी के कारण बैंक शाखाओं में होने वाले कैश जमा और निकासी का काम ठप रहेगा. इसके साथ ही चेक क्लियरेंस और शाखा आधारित बड़े फंड ट्रांसफर जैसे ऋञ्लतरू का काम पूरी तरह रुक जाएगा. ड्राफ्ट बनवाना, लोन अप्रूवल और अन्य कागजी काम भी बंद रहेंगे. हड़ताल के दौरान डिजिटल ट्रांजैक्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा. मोबाइल बैंकिंग और नेट बैंकिंग की सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी. इसके अलावा ऋरूभी मशीनों में उपलब्ध कैश के आधार पर सामान्य रूप से काम करते रहेंगे. पटना के ग्राहक सुधीर पांडे ने कहा कि कैश निकालने और जमा करने के अलावा ऋञ्लतरू और चेक क्लियरेंस जैसे काम प्रभावित होंगे. जय कुमार ने कहा कि तीन दिनों तक बैंक बंद रहने से रोजमर्रा के काम प्रभावित हो सकते हैं. खासकर ऐसे लोगों को परेशानी होगी, जिनके जरूरी भुगतान या दूसरे बैंकिंग काम इन तीन दिनों में होने हैं. ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमरेश विक्रमादित्य ने बताया कि 8 मार्च 2024 को हुए समझौते में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को लेकर सहमति बनी थी. करीब 30 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार की तरफ से इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है. कर्मचारी अपना वेतन कटाकर 'नो वर्क, नो पे' के तहत मजबूरी में हड़ताल कर रहे हैं. यूनियन की मुख्य मांग पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को तुरंत लागू करने की है. इसके बदले कर्मचारी हर दिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करने को तैयार हैं.

पटना में गैराज मालिक को गोलियों से भूना, अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में बेखौफ अपराधियों ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है. रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के भूपतीपुर इलाके में शनिवार की देर रात बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने एक गैराज के संचालक की अंधाधुंध गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान अंजनी रंजन के रूप में हुई है. हत्याकांड से इलाके में लोगों के बीच काफी गुस्सा देखा जा रहा है.

स्थानीय लोगों के अनुसार वारदात उस समय हुई जब अंजनी रंजन शनिवार देर रात अपनी वर्कशॉप को बंद करने के बाद घर लौटने की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान अचानक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो नकाबपोश अपराधियों ने उन्हें घेर लिया. इससे पहले कि अंजनी कुछ समझ पाते, बदमाशों ने बेहद करीब से उन पर पिस्टल से ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं.

हमलावरों ने उनके सिर को निशाना बनाते हुए तीन से चार राउंड फायरिंग की, जिससे वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े. वारदात को अंजाम देने के बाद शूटर मोटरसाइकिल से तेजी से फरार हो गए. इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई. गोलीबारी की सूचना से इलाका दहल उठा. पुलिस के अनुसार रात 9 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी.

आस-पास के लोग और अन्य दुकानदार तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े. स्थानीय नागरिकों की मदद से गंभीर रूप से जख्मी अंजनी रंजन को आनन-फानन में नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, सिर में गंभीर चोट आने और अत्यधिक खून बह जाने के कारण डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

घटना की जानकारी देते हुए पटना ईस्ट की सिटी एसपी शैलजा दास ने बताया कि पीड़ित को 3 से 4 गोलियां मारी गईं हैं. उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई. पुलिस ने घटनास्थल से 3 खोखे बरामद किए हैं. एसपी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमला करने एक बाइक पर 2 लोग आए थे. फिलहाल पुलिस मामले की सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच कर रही है. अपराधियों की धरपकड़ के लिए आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई में जुट गई है.

मत मारिए भैया... मिन्नतें करती रही लड़की और थप्पड़ मारता रहा युवक, समस्तीपुर में एक और बदसलूकी का वीडियो वायरल

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर में लड़की से बदसलूकी से जुड़े कथित वीडियो लगातार सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है. चार दिनों के भीतर जिले में बदसलूकी और छेड़छाड़ का तीसरा वीडियो वायरल होने का दावा किया जा रहा है. ताजा वीडियो कल्याणपुर इलाके का बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस अभी वीडियो की सत्यता और घटनास्थल की पुष्टि में जुटी हुई है.

वायरल वीडियो में एक नाबालिग किशोरी को कुछ लोगों से घिरा हुआ दिख रहा है. वीडियो में किशोरी हाथ जोड़कर लोगों से उसे छोड़ने की अपील करती नजर आती है. दावा है कि वह अपना परिचय और घर का पता बताने के बावजूद उसके साथ मारपीट की जा रही है. हालांकि उसी भीड़ में कुछ ''लोग लड़की को हाथ न लगाना'' कहते हुए भी सुने जा रहे हैं.

समस्तीपुर के एसपी अरविंद प्रताप सिंह के मुताबिक वायरल वीडियो को सत्यापन के लिए साइबर थाना भेजा गया है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो वास्तव में समस्तीपुर के कल्याणपुर इलाके का है या नहीं और यह घटना कब की है.

पुलिस के मुताबिक वीडियो की सत्यता की पुष्टि होने के बाद घटनास्थल का सत्यापन कराया जाएगा. इसके साथ ही वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान करने और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जाएगी. पुलिस ने कहा है कि सत्यापन के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

समस्तीपुर में महज चार दिनों के भीतर छेड़खानी या बदसलूकी से जुड़े तीन कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आना चिंता का विषय बन गया है. लगातार सामने आ रहे इन वीडियो ने पुलिस के सामने भी कई सवाल खड़े किए हैं.

लगातार कथित वायरल हो रहे वीडियो ने पुलिस के सामने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और त्वरित सत्यापन की चुनौती भी बढ़ा दी है. किसी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद उसकी वास्तविकता, स्थान, समय और उसमें शामिल लोगों की पहचान सुनिश्चित करना पुलिस जांच का अहम हिस्सा बन गया है.

नाबालिग बच्चियों से कथित छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार से जुड़े वायरल वीडियो के मामलों को लेकर ष्ठत्न डॉ. कमल किशोर ने एसपी कार्यालय में समीक्षा बैठक की. बैठक में डीएम रोशन कुशवाहा, एसपी अरविंद प्रताप सिंह समेत जिले के अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे.

ष्ठत्न ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील है. उन्होंने अब तक की पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ मामलों में स्पीडी ट्रायल के जरिए सजा दिलाने की दिशा में काम करने की बात कही.

समीक्षा बैठक में भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया. ष्ठत्न ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

समस्तीपुर में लगातार सामने आ रहे कथित बदसलूकी के वीडियो ने कानून-व्यवस्था और पुलिस की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ाई है. पुलिस जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि समस्तीपुर का तीसरा कथित वीडियो कब, कहां और किन परिस्थितियों में बनाया गया था. फिलहाल पुलिस की जांच जारी है.

चक्रवात 'अर्णव' कमजोर पड़ा लेकिन नेपाल का पानी ढा रहा कहर, कई जिलों में हाई अलर्ट

पटना, एजेंसी। नेपाल में हो रही मूसलाधार बारिश का सीधा असर बिहार की नदियों पर पड़ने लगा है. गंडक नदी में लगभग चार लाख क्यूसेक पानी आने की संभावना जताई गई है. सारण जिले के अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण से जुड़े सभी पदाधिकारियों और अभियंताओं को पूरी तरह अलर्ट रहने का निर्देश दिया है. वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज पर जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम और चक्रवात अर्णब के कारण पिछले चार दिनों से बिहार में झमाझम बारिश हो रही थी. अब इसका असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा है. मौसम विभाग ने रविवार 27 सितंबर को राज्य के किसी भी जिले के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है. हालांकि, कोसी और बागमती नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि गंडक का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. चार दिनों की सक्रिय मानसूनी बारिश ने बिहार के सूखे आंकड़ों को कुछ राहत जरूर दी है. 48 घंटे की बादल संग झमाझम वर्षा के कारण मानसून सीजन के दौरान वर्षा की कमी 36 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत रह गई. मधुबनी के झंझारपुर में 68.8 मिमी सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई,

पटना से मुजफ्फरपुर तक फैले देह व्यापार के नेटवर्क का खुलासा

दो महिला समेत सात गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के कथैया थाना क्षेत्र से अपहृत नाबालिग छात्रा को पटना में जबरन बंधक बनाकर देह व्यापार कराया जा रहा था। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर गठित एसआइटी ने पटना से लेकर मुजफ्फरपुर के कच्ची-पक्की ओपी क्षेत्र तक फैले देह व्यापार के नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो महिला समेत सात को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पटना के रामकृष्ण नगर स्थित एक मकान में बंधक बनाकर रखी गईं दो नाबालिग बच्चियों को सकुशल मुक्त करा लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस टीम की पूछताछ जारी है।

एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि कथैया थाना क्षेत्र हरदी मेला से बच्ची को बहला फुसलाकर मुजफ्फरपुर लाया गया था। यहां बच्ची को जबरन देह व्यापार के दलदल

में धकेल दिया गया था। वहां से बच्ची को पटना भेज दिया गया। जिसको वहां एक संगठित अपराधिक गिरोह के द्वारा अवैध तरीके से देह व्यापार कराया जा रहा था। देह व्यापार का यह अंतरजिला गिरोह के तार राज्य के कई अन्य जिलों से जुड़े होने की आशंका है। सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसर, कथैया थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बच्ची बीते 26 फरवरी को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। बच्ची की मां के बयान पर थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामला नाबालिग के अपहरण से जुड़ा होने के कारण एसएसपी ने इसे बेहद गंभीरता से लिया।एसएसपी के निर्देश डीएसपी पश्चिमी वन सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया था। इसमें कथैया थानेदार भी शामिल थे। गठित विशेष टीम ने अपहृत बच्ची का सुराग लगाने के लिए तकनीकी अनुसंधान और सर्विलांस का सहारा लिया। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अपहृत बच्ची को पटना के रामकृष्ण नगर इलाके में एक किराए के मकान में छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने पटना के रामकृष्ण नगर में चिह्नित ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से अपहृत बच्ची को बरामद करने के साथ ही एक अन्य नाबालिग बच्ची को भी वहां से मुक्त कराया, जिसे बंधक बनाकर रखा गया था। पूछताछ में पुलिस के सामने एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच आया। गिरोह के सदस्य अलग-अलग जिलों से नाबालिग बच्चियों को बहला-फुसलाकर या अगवा कर लाते थे। इसके बाद उन्हें पटना के अलग-अलग मकानों में बंधक बनाकर रखा जाता था और डरा-धमकाकर उनसे जबरन देह व्यापार कराया जाता था।

पटना रामकृष्ण नगर में हुई छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से मकान मालिक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए अभियुक्तों की निशानदेही और मुक्त कराई गई बच्ची के बयान के आधार पर पुलिस ने मुजफ्फरपुर के कच्ची- पक्की ओपी क्षेत्र में छापेमारी कर गिरोह के तीन अन्य सदस्यों को धर दबोचा। हालांकि, एक मकान मालिक पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

एसएसपी ने बताया कि देह व्यापार का यह नेटवर्क हाइटेक तरीके से चल रहा था। टेक्निकल सेल के पास से जब्त मोबाइल फोन की जांच कर रही है। गिरफ्तार लोगों का सोशल मीडिया अकाउंट, चैटिंग व बैंक डिटेल्स खंगाली जा रही है। इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड को चिन्हित करके उसको गिरफ्तार किया जाएगा।

जमुई और बांका के बाद अब किशनगंज का वीडियो वायरल! स्टेशन पर युवती से हाथापाई, एसपी ने बताई सच्चाई

किशनगंज, एजेंसी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर किशनगंज जिले में एक मामला चर्चा में है। 52 सेकेंड का यह वीडियो दिघलबैंक प्रखंड के तुलसिया रेलवे स्टेशन का बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस और स्थानीय स्तर पर इसे करीब पांच माह पुराना बताया गया है। जमुई और समस्तीपुर से जुड़े पुराने वीडियो के वायरल होने के बाद यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावों के साथ साझा किया जा रहा है। वीडियो में एक युवती को कई युवकों से घिरा देखा जा सकता है, जबकि कुछ युवक उससे उसकी पहचान और एक युवक के साथ संबंधों को लेकर सवाल करते सुनाई दे रहे हैं।

वायरल वीडियो में स्थानीय भाषा में कुछ युवक युवती से पूछताछ करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवती के हाथ पकड़े जाने और उसके वहां से निकलने की कोशिश करने की बात भी सामने आती है। वहीं एक युवक बाइक पर बैठा दिखाई देता है, जिससे युवती के संबंधों को लेकर सवाल किए जा रहे हैं। बातचीत के दौरान दूसरे समुदाय का हवाला देकर कथित प्रेम संबंध को लेकर

भी टिप्पणियां सुनाई देती हैं। बाइक पर बैठा युवक ऐसे किसी संबंध से इनकार करता सुनाई देता है। वीडियो के अंत में एक युवक वीडियो को वायरल करने की धमकी देता हुआ भी सुनाई देता है। तुलसिया रेलवे स्टेशन का नाम जुड़ने के बाद वीडियो को लेकर स्थानीय स्तर पर भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सोशल मीडिया पर इसे अलग-अलग दावों के साथ शेयर किया जा रहा है। हालांकि वीडियो के साथ किए जा रहे सभी दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मामला चर्चा में आने के बाद किशनगंज पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के अनुसार पुलिस को घटना की सूचना रात में मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। एसपी के मुताबिक प्रारंभिक पूछताछ में युवती ने बताया कि वह अपनी बहन के साथ रेलवे स्टेशन गई थी, जहां वह एक युवक से बातचीत कर रही थी। पुलिस के अनुसार युवक दूसरे समुदाय से संबंधित है। इसी बात को लेकर गांव के एक युवक ने आपत्ति जताई और युवती के साथ मारपीट की। युवती ने आरोप लगाया कि उक्त युवक ने उसे थप्पड़ मारा।

एसपी संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला छेड़खानी का नहीं, बल्कि आपसी विवाद का सामने आया है। युवती के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कानून सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर किए जा रहे कई दावे भ्रामक हैं और वास्तविकता से अलग हैं।

पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान की जा रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। एसपी संतोष कुमार स्वयं मामले की निगरानी कर रहे हैं।

पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल किसी भी वीडियो को बिना पुष्टि के शेयर न करें। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी घटना से संबंधित जानकारी को सत्यापित करने के बाद ही आगे साझा करने का आग्रह किया गया है।

इधर बीआरएस मंजूर, उधर बिहार के नए मुख्य सूचना आयुक्त बने पूर्व डीजीपी विनय कुमार, अधिसूचना जारी

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए पूर्व डीजीपी विनय कुमार को राज्य का नया मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया है. प्रशासनिक स्तर पर इसे एक बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है. वीआरएस की मंजूरी के 24 घंटे के अंदर ही उन्हें ष्ठढ्ढष्ट नियुक्त किया गया.

राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में औपचारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है. इस आदेश के सामने आने के बाद अब विनय कुमार जल्द ही अपने नए पद की गोपनीयता और कर्तव्यों की शपथ लेकर कार्यभार संभालेंगे.

शुक्रवार 25 सितंबर को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में तीन सदस्य चयन समिति की हुई थी. बैठक में डिजीपी विनय कुमार को राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त बनाए जाने पर सहमति हुई थी. मीटिंग में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे. विनय कुमार के अलावा विधि विभाग के पूर्व सचिव और न्यायिक सेवा के अधिकारी अंजनी कुमार सिंह को राज्य सूचना आयुक्त बनने के प्रस्ताव पर भी फैसला हुआ था. सामान्य प्रशासन विभाग ने शनिवार देर रात इससे संबंधित अधिसूचना भी जारी कर दी है. 26 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार बिहार के राज्यपाल द्वारा सेवानृवित्त आईपीएस अधिकारी विनय कुमार को बिहार का मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा-15(3) में दिए गए प्रावधानों के तहत की गई है. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उनका कार्यकाल पद-ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी माना जाएगा.

अचानक स्कूल में पहुंच गए सीएम सम्राट चौधरी, बच्चों से किया संवाद

पटना, एजेंसी। पटना के दानापुर स्थित राजकीय मध्य विद्यालय रामजीचक, बाटागंज में सीएम सम्राट चौधरी ने बच्चों से सीधा संवाद किया. बातचीत के बाद सीएम ने शिक्षा विभाग को अगले वर्ष से सभी सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में योजना तैयार करने का निर्देश दिया. इसके लिए दो-तीन स्कूलों पर एक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है.

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विद्यार्थियों से नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की. उन्होंने विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर लगातार मेहनत करने की सलाह दी. उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन के अनावश्यक इस्तेमाल से बचने की सलाह दी. उन्होंने अभिभावकों से कहा कि स्कूल की पढ़ाई या सुविधाओं में सुधार को लेकर उनके पास कोई सुझाव है तो उसे जरूर साझा करें. उन्होंने पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव को लेकर भी अभिभावकों से सुझाव देने की अपील की.

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में करीब 700 स्थानों पर मॉडल स्कूलों में ऑनलाइन शिक्षकों और लाइव क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक माध्यमों के जरिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है.

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'मेरे सपनों का भारत-सेवा चित्र' राज्यव्यापी अभियान के तहत विद्यार्थियों की ओर से तैयार की गई चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया. बच्चों ने 'विकसित भारत-2047', सोलर ऊर्जा, मेट्रो ट्रेन, रोबोट और 'सपनों का भारत' जैसे विषयों पर चित्र बनाए थे.

स्कूल में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी. इसमें 'पढ़िए, समझिए, करिए, सीखिए' की अवधारणा के तहत विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए. अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और उनके अभिभावकों को 'पेरेंट्स ऑफ द मंथ' के लिए सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम के बाद शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने अभिभावकों से सीधी बातचीत की. उन्होंने कहा कि सिर्फ बच्चों को स्कूल भेज देने से अभिभावकों की ड्यूटी खत्म नहीं हो जाती है. बच्चों की पढ़ाई और सीखने की प्रक्रिया में अभिभावकों की नियमित भागीदारी बहुत जरूरी है.

शिक्षा मंत्री ने कहा कि अभिभावक बच्चों की पढ़ाई को केवल स्कूल की जिम्मेदारी न समझें. घर में भी बच्चों के सीखने के लिए सकारात्मक माहौल बनाया जाना चाहिए. अभिभावक बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में बातचीत करें और शिक्षकों से संवाद रखें.

उन्होंने कहा कि स्कूल और परिवार के बीच बेहतर तालमेल से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है. यदि किसी तरह की परेशानी सामने आती है, तो बिना संकोच शिक्षकों को इसकी जानकारी देनी चाहिए.

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने विद्यालय में लगी 'मेरे सपनों का भारत : सेवा चित्र' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया. उन्होंने छात्र-छात्राओं की ओर से बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों को देखा और उनकी रचनात्मकता की जमकर सराहना की.

उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को मजबूत करने में मदद करती हैं. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से सीधा संवाद कर उनकी बात भी सुनी.

बीएसईबी के तीन कर्मियों पर एफआईआर, 32 साल से फर्जी डिग्री के सहारे कर रहे थे नौकरी

पटना, एजेंसी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति यानी बिहार बोर्ड में फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र के आधार पर लंबे समय से नौकरी करने का मामला सामने आया है. बोर्ड के तीन कर्मचारियों के खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. आरोप है कि इन कर्मचारियों ने ऐसे शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर सरकारी सेवा हासिल की, जिनके संबंधित संस्थानों से जारी होने की पुष्टि नहीं हुई. मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

जिन तीन कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, उनमें शिव कुमार यादव, माधव यादव और हरिमोहन यादव शामिल हैं. उपलब्ध जानकारी के मुताबिक तीनों बिहार बोर्ड में पदचर के पद पर कार्यरत थे. शिव कुमार यादव की नियुक्ति 1 जुलाई 1995, माधव यादव की नियुक्ति 1 जुलाई 1994 और हरिमोहन यादव की नियुक्ति 1 अप्रैल 1995 को हुई थी. इस हिसाब से इनकी सरकारी सेवा अवधि करीब तीन दशक से अधिक की रही है.

मामला कर्मचारियों की सेवा समायोजन प्रक्रिया के दौरान सामने आया. जानकारी के मुताबिक तीनों ने वर्ष 2005 में बोर्ड के समक्ष अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र जमा किए थे. बाद में वर्ष 2016 में सेवा समायोजन की प्रक्रिया के तहत इन प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया गया. सत्यापन के दौरान संबंधित शैक्षणिक संस्थानों से प्रमाणपत्रों की वैधता की जांच कराई गई, जहां कथित तौर पर इन दस्तावेजों के उनके संस्थान से जारी नहीं होने की बात सामने आई.

इसके बाद मामले में बोर्ड स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ी. बिहार बोर्ड के प्रभारी प्रशाखा पदाधिकारी की ओर से कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर तीनों कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस अब प्रमाणपत्रों की वास्तविकता, उनके इस्तेमाल और नियुक्ति के समय प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों की जांच कर रही है.

संक्षिप्त समाचार

सादाबाद में पूर्व फौजी और पहली पत्नी की गला काटकर हत्या

घर में मिले खून से सने शव

हाथरस, एजेंसी। करीब 14 साल पहले समसुद्दीन ने आगरा के आजमपाड़ा निवासी सीमा से दूसरा विवाह किया था। सीमा से उनके तीन बच्चे (दो लड़कियां और एक लड़का) हैं, जिनमें सबसे बड़ी लड़की की उम्र 12 वर्ष है। दूसरी पत्नी सीमा अपने बच्चों के साथ घटनास्थल के पास में ही अलग मकान में रहती हैं। हाथरस में सादाबाद थाना क्षेत्र के बाइपास आगरा रोड स्थित ताज बॉडी के पास रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक पूर्व फौजी और उनकी पहली पत्नी का

शव घर में लहूलुहान हालत में मिला। अज्ञात हमलावरों ने दोनों की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड ने घटनास्थल को सील कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। मृतक समसुद्दीन (58 वर्ष) सेना से सेवानिवृत्त थे और बाइपास पर ही फैब्रिकेशन का काम करते थे। दुकान के ऊपर ही उनका घर है, जहां वे अपनी पहली पत्नी समीना उर्फ सद्दो (55 वर्ष) के साथ रहते थे। समीना से उनकी कोई संतान नहीं थी। शनिवार को समसुद्दीन अपनी पहली पत्नी के साथ ही घर पर थे। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे तक जब समसुद्दीन नीचे नहीं आए, तो उनका एक परिचित युवक उन्हें देखने ऊपर कमरे में गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

महिपाल की गवाही से खुल सकते हैं कई राज, 36,039 पन्नों के आरोप पत्र हुए हैं दाखिल

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में महिपाल की गवाही से कई राज खुल सकते हैं। मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र एसआईटी ने दाखिल किए हैं। चंपत राय के बयान पर भी विशेष नजर रहेगी। आगे पढ़ें पूरी खबर...
अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र और 133 गवाहों की सूची दाखिल होने के बाद अब गवाहों की गवाही मुकदमे की अहम कड़ी होगी। इनमें ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह और तत्कालीन महासचिव चंपत राय के बयान पर विशेष नजर

रहेगी। दोनों मामले के अलग-अलग चरणों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के गवाह हैं। महिपाल सिंह जनवरी 2021 से मई 2022 तक ट्रस्ट के लेखा प्रभारी रहे थे। चढ़ावे की गणना और लेखा व्यवस्था से जुड़े होने के कारण उन्हें नकदी समेत अन्य चढ़ावे के प्रबंधन की जानकारी थी। उन्होंने चढ़ावे में अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाने और ट्रस्ट पदाधिकारियों को इसकी जानकारी देने का दावा किया था। सितंबर में नई एसआईटी ने वीडियो कॉल के जरिये उनका क्रमवार बयान दर्ज किया था। महिपाल ने नकदी, सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा से जुड़ी अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने तत्कालीन महासचिव चंपत राय समेत ट्रस्ट पदाधिकारियों को शिकायत देने की बात कही थी। अदालत में उनकी गवाही से यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण होगा कि उन्होंने क्या देखा, किसे और कब सूचना दी तथा शिकायत के बाद क्या कार्रवाई हुई।

सालों बाद ऐसी बारिश!... 11 की मौत

72 घंटों की बरसात से यूपी में जानमाल का भारी नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में तूफानी बारिश आफत बनकर टूटी है. जानमाल के भारी नुकसान के साथ ही लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा. कई जगह पेड़ गिरे तो कई जगह जर्जर और पुरानी इमारतों के साथ ही कच्चे मकान ढह गए. सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीण इलाकों में हुआ है. मैनपुरी में मकान की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. बीते 24 घंटे में बच्चे समेत 11 लोगों की मौत हो गई. वहीं कई जगह मकान और पेड़ गिरने से कई लोग घायल हो गए. बीते 24 घंटों में शाहजहांपुर, हमीरपुर, बांदा, कानपुर में सितंबर में एक दिन में हुई बारिश का कई बरस पुराना रिकार्ड टूट गया है. इस वजह से इसे पीढ़ियों बाद सितंबर में ऐसी बारिश कहा जा रहा है. हालांकि रविवार को कई जिलों में बारिश के थमने से लोगों ने राहत की सांस ली.

मैनपुरी जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच दन्नाहार थाना क्षेत्र के ग्राम सीतारामपुर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया. एसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी ने बताया कि बारिश के चलते एक मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई. दीवार के मलबे में दबने से एक 24 वर्षीय युवक शैलेंद्र सिंह की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए. हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया. गांव के ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि दीवार गिरने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया. सूचना मिलने पर दन्नाहार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया. महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र स्थित चंदनचाफी गांव के समीप शनिवार को एक

दर्दनाक हादसा हो गया। तेज आंधी और बारिश के दौरान जंगल में सांखू का पेड़ अचानक गिर जाने से उसकी चपेट में आकर पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की शिनाख्त चंदनचाफी गांव के 55 वर्षीय गौरी शंकर पासवान और उनकी पत्नी श्रीमती देवी के रूप में हुई है. थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गोरा लोकनाथपुर में आज सुबह कच्चे मकान की खपरैल अचानक भरभराकर गिर गई. परिजनों के मुताबिक इसके चलते फूला देवी और उनके जेठ का बेटा सोमपाल मलबे में दब गए. फूला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका जेठ का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई. पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि हादसे को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही हैय

जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के लाटतारा चकोलिया गांव में शनिवार रात कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान शकुंती देवी पत्नी श्रीराम सरोज के रूप में हुई है.

जनकपुरी में नहीं लगेंगे होर्डिंग

सड़क किनारे से हटेंगे अतिक्रमण, सिर्फ डिजिटल विज्ञापन चलेंगे

आगरा, एजेंसी। जनकपुरी आयोजन से 10 दिन पहले नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने क्षेत्र का निरीक्षण कर इसे नो-होर्डिंग जोन घोषित किया है। अब यहां केवल डिजिटल विज्ञापन चल सकेंगे, जबकि अनधिकृत होर्डिंग और सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। जनकपुरी आयोजन में महज 10 दिन बाकी हैं। ऐसे में शुक्रवार को नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने जनकपुरी क्षेत्र का निरीक्षण कर सड़क, सफाई, प्रकाश और सीवर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जनकपुरी को नो होर्डिंग जोन घोषित किया और केवल डिजिटल विज्ञापनों को चलाने की अनुमति दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह के अनधिकृत होर्डिंग या विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त ने पुरुषोत्तम दास अस्पताल रोड का निरीक्षण किया। यहां सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण और अव्यवस्थित सामग्री को हटाया जाए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा ने सफाई व्यवस्था की जानकारी दी। नगर आयुक्त ने आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई, कूड़ा उठान तथा पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती करने को कहा।

कार की खिड़कियों से बाहर निकल हवा में उड़े, पलक झपकते ही बिखरीं तीन जिंदगियां; नजारा देखकर कांप गए लोग

आगरा , एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को एक ऐसा खौफनाक मंजर देखने मिला, जिसने देखने वालों की रूह कंपा दी। तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराकर पलटने के दौरान पीछे बैठे तीन युवक खिड़कियों से छिटककर हवा में उछल गए और सुरक्षा जाली को पार करते हुए नीचे पत्थरों पर जा गिरे। पलक झपकते हुए इस हादसे में तीनों की मौके पर ही सांसें थम गईं। हादसे का खौफनाक मंजर देख प्रत्यक्षदर्शी की रुह कांप गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हुए दर्दनाक हादसे ने मौके पर मौजूद लोगों को झकझोर दिया। तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई और इसके बाद कई बार पलटती हुई आगे बढ़ी। हादसे के दौरान कार की पिछली सीट पर बैठे तीन सवारियां खिड़कियों से बाहर निकलकर इतनी दूर जा गिरे कि एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा जाली तक को पार कर गए। पत्थरों पर गिरने से तीनों की मौत हो गई।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य ने दी जानः ग्राइंडर से काटा प्राइवेट पार्ट, फिर छत से कूदा; सामने आया सीसीटीवी फुटेज

आगरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक के चौथी मंजिल से गिरने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रसिक दुलारीशरण महाराज सड़क पर पैरों के बल गिरते हैं, सिर सड़क से टकराता है और फट जाता है। रसिक तड़पने लगते हैं। वहां मौजूद लोग भी उन्हें देख हैरान रह जाते हैं। मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक उर्फ रसिक दुलारीशरण महाराज (25) के गऊ कृपाकुंज आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या के मामले में पुलिस को अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। जांच में सामने आया है कि घटना शुक्रवार को सुबह करीब 10:30 बजे हुई और पुलिस को इसकी जानकारी करीब 12:30 बजे में मथुरा के एक अस्पताल से मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आश्रम पहुंचकर छानबीन की और सीसीटीवी फुटेज खंगाली हैं।

संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक गिरने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रसिक दुलारीशरण महाराज चौथी मंजिल से अचानक सड़क पर पैरों के बल गिरते दिखाई दे रहे हैं, जैसे ही वो गिरते हैं उनका सिर सड़क से टकराता है और फट जाता है। रसिक तड़पने लगते हैं।

वहीं, दीपक की मौत की जानकारी पर जबलपुर से पहुंचे परिजन ने आश्रम प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि दीपक उर्फ रसिक दुलारीशरण महाराज की जिंदगी चार मिनट में ही खत्म हो गई। कमरे से निकलकर वह छत पर पहुंचे। कुछ मिनट बैठने और लेटने के बाद छत से नीचे कूद गए।

चिराग तले अंधेराः यूपी के सबसे बड़े फार्मा पार्क से स्थानीय युवा निराश

जानें क्यों दम तोड़ रहीं रोजगार की उम्मीदें

ललितपुर, एजेंसी। 1472 एकड़ में फैला यूपी का सबसे बड़ा बल्क फार्मा पार्क ललितपुर के सैदपुर में तैयार हो रहा है. करोड़ों का निवेश, मल्टीनेशनल फार्मा कंपनियों की आमद, बड़ी-बड़ी इमारतें, इंटरनेशनल फैसिलिटीज, चौड़ी सड़कें, लॉजिस्टिक और कंटेनर हब, दवाओं का कोल्ड चेन, नई दवाओं का रिसर्च सेंटर और भी बहुत कुछ...फिर भी स्थानीय युवाओं में निराशा है. क्या है इसकी वजह? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशती यह ग्राउंड रिपोर्ट.

सैदपुर बल्क फार्मा पार्क के आसपास दर्जनों गांवों के लोगों ने बताया कि पशुधन और कृषि फार्म की जमीन पर यह निर्माण हो रहा है. लगभग 2000 एकड़ में फैले पशुपालन विभाग की इस जमीन का उपयोग पशुधन क्षेत्र में जई, मक्का, और नेपियर चारे की खेती के तौर पर होता था. इतना हीं नहीं यहां हरियाणवी गायों के लिए चारागाह भी था. फार्म में उत्पादित जई दाना और चारा अन्य फार्मों पर भी भेजा जाता था. साथ ही दूध बिक्री से भी विभाग को आय होती थी. हालांकि अब यह सिमटता जा रहा है.

आसपास के गांवों के लोगों ने क्या कहाः स्थानीय लोगों ने बताया कि इसके लिए पड़ोसी गांव लरगन, मुड़िया, सैदपुर, करौंदा, लक्ष्मणपुर, बारचौंन, नारायणपुर, गढ़ैलीकला, पठा, नैनवारा समेत दर्जन भर गांव से लोग मजदूरी का काम करते थे.

अब कृषि फार्म का 1472 एकड़ रकबा घट जाने से खेती और चारागाह के लिए जमीन कम हो गई है. इसकी वजह से फार्म पर पाली जा रही लगभग 600 हरियाणवी गायों में से महज 200 गायों को ही संरक्षित किया जा रहा

है. इसकी वजह से यहां दिहाड़ी पर काम करने वाले स्थानीय मजदूरों की भी छंटनी कर दी गई है. कृषि फार्म को सीमित किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की समस्या पैदा होने लगी है.

प्रशिक्षत युवा नीरज कुमार ने कहा कि सैदपुर में बन रहे बल्क ड्रग फार्मा पार्क सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के कारण भले ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना है, लेकिन स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलने की उम्मीदें काफी कम नजर आ रहीं हैं.

सैदपुर निवासी युवा अंशुल राजा बताते हैं कि सैदपुर कृषि फार्म का रकबा कम होने से सीजनल मजदूरों की छंटनी कर दी गई. 65 नियमित कर्मचारियों की संख्या घटकर 25 हो गई है. इन्हें दूसरी जगहों पर भेजा जा रहा है. कृषि फार्म से हटाए जाने के बाद फार्मा पार्क पर काम की तलाश में कई बार कोशिश की गई, लेकिन कोई काम नहीं दिया गया.

- **स्थानीय प्रतिभाओं को मिले मौका :** बात अगर सिर्फ फार्मा क्षेत्र के विशेषज्ञों की करें तो ग्राम साढूमल निवासी इकबाल खान जो फार्मा क्षेत्र में 22 वर्षों का अनुभव रखते हैं और सीनियर टेक्निकल सुपरवाइजर के रूप में सेवा दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि फार्मा पार्क की स्थापना होने से स्थानीय लोगों के विकास और युवाओं को रोजगार के बहुत अवसर देने वाला होगा. बशर्ते स्थानीय युवाओं को अवसर में प्राथमिकता दी जाए. यह न हो कि बाहरी लोगों को हीं काम मिले.
- **युवाओं को मिल रहा मजदूरी का काम :** समाजसेवी दीवान हिमांशु राजा ने कहा कि फार्मा पार्क के शिलान्यास कार्य के बाद से जो भी निर्माण कर यूपीसीडा चयनित कार्यदायी संस्था द्वारा कराया जा रहा है, वहां स्थानीय युवाओं को सिर्फ दिहाड़ी मजदूरी का काम मिल रहा है. जबकि फार्मा पार्क से 12 किमी दूर स्थित महरौनी और मड़ावरा तहसील स्तर के नगर हैं, जहां पर कंट्रक्शन वर्क के लिए उपयुक्त युवाओं की पर्याप्त संख्या है.
- **क्या कहते हैं जिम्मेदार अधिकारी :** जिलाधिकारी ललितपुर सत्यप्रकाश ने बताया कि ड्रग फार्मा पर कार्य प्रगति पर है. जल्दी हीं प्रथम फेस का काम पूर्ण हो जाएगा. जैसे ही यहां पर कंपनियां काम शुरू करेंगी तो आसपास के लोगों को रोजगार दिया जाएगा. स्थानीय लोगों को काम की प्राथमिकता रहेगी.
- **यूपी का सबसे बड़ा फार्मा पाक :** ललितपुर जनपद में बन रहा प्रदेश के सबसे बड़े बल्क ड्रग फार्मा पार्क ग्राम सैदपुर में स्थित पशुपालन विभाग की 1472 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहा है. यूपीसीडा द्वारा प्रथम चरण में 1472 एकड़ में से 352 एकड़ भूमि पर फार्मा पार्क के लिए आवश्यक संसाधनों का निर्माण कराया जा रहा है।

कानपुर में बेबी गेम्स की तैयारी

3 से 8 साल के नन्हे मुन्ने 'सूरमा' दिखाएंगे दमखम, ग्रीन पार्क में होगा आयोजन

कानपुर, एजेंसी। क्या आपने कभी 3 साल के बच्चे को मैदान में स्प्रिंट लगाते या बैडमिंटन रैकेट भांजते देखा है? अगर नहीं, तो तैयार हो जाइए! भारत के खेल के सपने और युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए उत्तर प्रदेश में एक अनोखी और ऐतिहासिक शुरुआत होने जा रही है. भविष्य के चैंपियंस की नींव मजबूत करने के लिए कानपुर के मशहूर ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रदेश का पहला 'बेबी गेम्स 2026' आयोजित किया जाएगा.

5 से 9 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में प्रदेश भर के 3 से साढ़े 8 साल तक के नन्हें-मुन्ने खिलाड़ी मैदान में अपना हुनर दिखाएंगे. इसका मकसद किसी बच्चे को केवल मेडल दिलाना नहीं, बल्कि बचपन से ही उनके अंदर की खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें भविष्य का इंटरनेशनल एथलीट बनाना है.

25 खेलों में आज़माएंगे किस्मत, 'गज्जू भैया' करेंगे प्रेरित : बेबी गेम्स का रोमांच बेहद खास होने वाला है. अमूमन जिन खेलों में बड़े खिलाड़ी खेलते हैं, उन 25 स्पर्धाओं में अब जूनियर का हुनर परखा जाएगा. इसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस,

साइकिलिंग, स्केटिंग, कराटे, योग, आर्चरी, जूडो, जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, स्विमिंग, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, रस्साकशी, वेटलिफ्टिंग, मिनी गोल्फ, बास्केटबॉल, क्रिकेट और वॉलीबॉल जैसे खेल शामिल हैं.

बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए इसका मस्कट (शुभंकर) 'गज्जू भैया' को बनाया गया है. गज्जू भैया शहर के अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों और उनके पेरेंट्स को इस इवेंट का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करेंगे.

3 उम्र वर्गों में होगी भिड़ंत, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू : कानपुर ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से आयोजित किए जा रहे इस इवेंट में बच्चों को उम्र के हिसाब से 3 अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है. खेल कैटेगरी 3 से साढ़े 4 साल, साढ़े 4 से साढ़े 6 साल, साढ़े 6 से साढ़े 8 साल है.

ओलंपिक संघ के रजत आदित्य दीक्षित ने बताया कि बेबी गेम्स 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. गेम्स का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति लगाव पैदा करना है, ताकि कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा की पहचान हो सके.

कुशीनगर में छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई हार्ट अटैक की पुष्टि, बिसरा लैब भेजा गया

कुशीनगर, एजेंसी। रामकोला थाना क्षेत्र के महुअवां कंपोजिट जूनियर हाईस्कूल की छात्रा की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक की पुष्टि हुई है. इससे छात्रा के साथ किसी अनहोनी वाली आशंका पर विराम लग गया है. हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए बिसरा सुरक्षित करके जांच के लिए लैब भेजा गया है. पुलिस ने भी किसी नतीजे पर पहुंचने की बात नहीं कही है.

बता दें, बीते 24 सितंबर को कक्षा सात की छात्रा नेहा भारती स्कूल में अचानक बेहोश हो गई थी. आननफानन उसे रामकोला सीएचसी पहुंचाया गया. जहां से उसे मेडिकल कॉलेज पडरौना रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया. इसके बाद परिजनों ने शव को दफन कर दिया था. प्राथमिक तौर पर सामने आया था कि घटना के समय स्कूल में तैनात इकलौते शिक्षक के विभागीय कार्य से बाहर जाने की बात सामने आई थी. छात्रा के बेहोश होने के बाद आसपास के लोग उसे नजदीकी क्लीनिक लेकर पहुंचे थे. इसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे. घटना को लेकर स्कूल की व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला. ग्रामीणों का आरोप था कि जब यह हादसा हुआ, उस समय स्कूल में तैनात एकमात्र शिक्षक भी नदारद थे. आक्रोशित लोगों ने दहाउर चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया. इस दौरान एसडीएम मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया.

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में छात्रा के शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था. वहीं इस मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रथमदृष्ट्या लापरवाही बरतने वाले शिक्षक योगेंद्र श्रीवास्तव को निलंबित कर जांच के लिए दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है.

एएसपी कुशीनगर सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में छात्रा की मौत की वजह हार्ट अटैक सामने आई है. डॉक्टरों ने एहतियातन बिसरा प्रिजर्व कर जांच के लिए लैब भेज दिया है.

संक्षिप्त समाचार

नोटबंदी के बाद दिल्ली में पहली बार रविवार को खुले बैंक, फिर भी 90% कामकाज ठप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार को बैंकों में सामान्य कामकाज है। सोमवार से बुधवार तक तीन दिनों की बैंक हड़ताल के मद्देनजर आज ऐतिहासिक रूप से रविवार को बैंकों को खोला गया है। बैंक कर्मचारियों के संगठन सप्ताह में पांच दिन कामकाज समेत अन्य मांगों को लेकर सोमवार से बुधवार तीन दिन तक हड़ताल की घोषणा की है। जिसके मद्देनजर रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने रविवार को भी बैंक खोलने का आदेश दिया था। ताकि, लोग जरूरी कामकाज निपटा सके। वैसे बैंक कर्मियों के अनुसार क्योंकि अधिकतर सिस्टम इंटरनेट आधारित हो गया है, इसलिए बैंकों में अब कामकाज को लेकर उतनी मारामारी नहीं रहती है। ऊपर से रविवार होने की वजह से लोग छुट्टी के मूड में होते हैं। इसलिए आज बैंक शाखाओं में उतनी भीड़ नहीं है। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों तथा लुटियंस दिल्ली के मंत्रालय क्षेत्रों में तो बैंक का कामकाज महज दो से पांच प्रतिशत है। क्योंकि, बाजार से लेकर मंत्रालयों में रविवार की वजह से अवकाश है।

ट्रैफिक पुलिस ने 3 घंटे में धड़ाधड़ काटे 1930 चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को विभिन्न इलाकों में विशेष अभियान चलाया। शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चले अभियान में ट्रैफिक पुलिस ने स्थानीय पुलिस और पीसीआर के साथ मिलकर गंभीर यातायात उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, अभियान के दौरान करीब 290 पुलिसकर्मियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के 1,930 चालान किए गए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, ट्रिपल राइडिंग, वाहनों में टिंटेड शीशे लगाने, शराब पीकर वाहन चलाने और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी गई। गलत दिशा में वाहन चलाने के मामलों में आवश्यकता के अनुसार एफआईआर भी दर्ज की गई। ट्रैफिक पुलिस ने अभियान के लिए दिल्ली के 24 संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित किया था। इनमें अंतरराज्यीय बस अड्डे (आइएसबीटी), विश्वविद्यालय और बड़े कॉलेज व शिक्षण संस्थानों के आसपास के इलाके शामिल रहे। इन स्थानों पर पैदल यात्रियों, दोपहिया और अन्य वाहनों की अधिक आवाजाही को देखते हुए पुलिस की विशेष तैनाती की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक मुख्यालय) प्रतीक्षा गोदारा के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने वाहन चालकों, विशेषकर युवाओं और छात्रों से हेलमेट पहनने, गलत दिशा में वाहन न चलाने और शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की तारीख 30 अक्टूबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रही एसआईआर के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी ड्राफ्ट पर आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा एक माह के लिए बढ़ा दी गई है। मतदाता एसआईआर पर अपने दावे और आपत्तियां 30 अक्टूबर तक दर्ज करा सकते हैं। जबकि 30 नंवबर तक ड्राफ्ट एसआईआर में आए नोटिस का निस्तारण किया जाएगा। जबकि अंतिम मतदाता सूची 4 दिसंबर को जारी करने की तारीख तय की गई है। जबकि पहले यह तारीख चार नवंबर थी। नागरिक उपरोक्त समयावधि में ड्राफ्ट सूची में नाम न होने पर फार्म 6 भर सकते हैं। साथ ही पता या आवास बदलने पर फार्म आठ भर सकते हैं। वहीं, सीईओ कार्यालय रविवार यानि 27 सितंबर को को एसआईआर के तहत दिल्ली भर के 14,947 पोलिंग बूथों पर विशेष शिविर लगाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य उन पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना है, जिनका नाम अभी तक सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। आयोग के अनुसार, दिल्ली में अब तक फार्म- 6 के करीब सवा तीन लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। फार्म- 6 नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आयोग ने पात्र नागरिकों से विशेष शिविरों का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है। शिविरों में मतदाता नाम जुड़वाने के साथ ही एसआईआर से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं और दस्तावेजों को लेकर भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं

यूपी में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेच: कांग्रेस ने चिन्हित की ये 150 सीटें, सपा को ओवैसी-चंद्रशेखर की भी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर लंबा पेच फंसेगा। दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं। सपा पर दबाव बनाने के लिए पार्टी के अपने मुस्लिम चेहरों इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद को सक्रिय किया है। पार्टी नेतृत्व का इरादा इस बार राज्य में कम से कम सौ सीटों पर लड़ने की है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते से सपा से सीट बंटवारे के लिए संभावित बातचीत से पहले पूरी तैयारी की गई है। प्रदेश की 403 सीटों को कांग्रेस ने तीन श्रेणियों में विभाजित किया है।

इनमें से 150 ऐसी सीटें चुनी हैं जो सपा के वोट बैंक को मिला दें तो पार्टी के अनुकूल हो जाती है।

इनमें से ज्यादातर मुस्लिम, ब्राह्मण व दलित प्रभाव वाली सीटें हैं। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत में सपा से 150 सीटें मांगी जाएगी। हालांकि अंतिम लाइन सौ सीटों की है। इससे नीचे का प्रस्ताव पार्टी मंजूर नहीं करेगी।

सपा को ओवैसी की भी चिंता

पार्टी सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा-कांग्रेस गठबंधन नहीं हुआ तो मुस्लिम-दलित वोटों में बिखराव की संभावना भी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि इस चुनाव में ओवैसी चंद्रशेखर आजाद समेत कुछ अन्य दलों के साथ गठबंधन करेंगे। ऐसी स्थिति में सपा-कांग्रेस गठबंधन में मुस्लिम मतों में बिखराव को रोक सकती है। चूंकि सपा को इसका अंदाजा है, इसलिए कांग्रेस को लड़ने के लिए सपा से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है।

सपा को कराएगी जरूरत का अहसास

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने गठबंधन के संदर्भ में कहा कि सपा को कांग्रेस की ताकत का अंदाजा है। सपा जब 2019 के चुनाव में बसपा के साथ लड़ी थी तब उसे महज पांच सीटें मिली थी। जब हमारे साथ 2024 में लड़ी तो सपा को 37 सीटें मिली। कांग्रेस 2009 में 21 सीटें जीती थी। जब 2019 में अकेले लड़ी तब भी उसे एक सीट मिली। सपा को पता है कि सामाजिक न्याय की नई राजनीति के बाद राहुल गांधी और पार्टी का प्रभाव मुसलमानों, वंचित वर्गों में बढ़ा है। ब्राह्मणों में भी पुरानी साख लौटने के संकेत हैं। ऐसे में सपा इस चुनाव में कांग्रेस को प्रतीकात्मक साथी के रूप में नहीं ले सकती।

चुनाव आयोग के काम में सरकार का कोई दखल नहीं: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष के आरोपों की तीखी आलोचना की. उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 दिनों से एक अखबार की रिपोर्ट के आधार पर विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस और राहुल गांधी, चुनाव आयोग पर बेबुनियाद और शर्मनाक आरोप लगा रही हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा इसकी भर्त्सना करती है.

प्रसाद का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 को एसआईआर की पूरी प्रक्रिया को उचित माना. कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी की ओर से इस प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दी गई थी. सबको सुनने के बाद कोर्ट ने स्ट्रक्रको सही ठहराया.

उन्होंने टीएमसी के संदर्भ में यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर न्यायिक अधिकारी तैनात किए गए थे और उस समय उन पर हमला हुआ था. शनिवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक हुई, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त मौजूद थे. चुनाव आयोग के एक प्रेस नोट में कहा गया है कि स्ट्रक्रसे जुड़े जितने फैसले हुए, वे मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्तों की सहमति से हुए. देश के विभिन्न हिस्सों में स्ट्रक्र संबंधी कदम को सुप्रीम कोर्ट ने वैध ठहराया है. सरकार की लाइन भी इसी से जुड़ती है-किसी भी संस्था में आंतरिक मतभेद सामान्य हैं, अंतिम फैसले सर्वसम्मति से होते हैं. एसआईआर अवैध मतदाताओं की सफाई है, राजनीतिक हथियार नहीं. सरकार एसआईआर संबंधित आदेश को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) के अनुरूप बता रही है. भाजपा का तर्क है कि जब अंतिम आदेश सर्वसम्मति से हैं, तो 'वन-मैन ऑटोक्रेसी' का आरोप नहीं टिकता. भाजपा राहुल गांधी को 'मास्टर ऑफ डिसेप्शन' कह रही है. पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस चुनावों में हार के बाद संस्थाओं को बदनाम करती है. भाजपा द्वारा तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की लंबे समय से सत्ता-विहीनता का हवाला दिया जा रहा है. सरकार की आधिकारिक पंक्ति यह है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र है।

थाईलैंड कछुआ तस्करी मामला: दिल्ली हाईकोर्ट का मुरुगेसन मणिवन्नन को रिहा करने का आदेश, भारत में ही चलेगी जांच सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने थाईलैंड में 840 रेडिएटेड कछुओं को आयात करने के मामले में वांछित अपराधी मुरुगेसन मणिवन्नन को रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने थाईलैंड प्रत्यर्पण की कार्यवाही से भी उसे मुक्त कर दिया। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि मणिवन्नन को थाईलैंड प्रत्यर्पित नहीं किया जा रहा है और मामले में भारत में स्थानीय स्तर पर मुकदमा चलाने के लिए इसे सीबीआई को भेजा गया है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि जब सरकार का स्पष्ट रुख है कि याचिकाकर्ता को थाईलैंड प्रत्यर्पित नहीं किया जाएगा, तो प्रत्यर्पण के आदेश के तहत उसकी हिरासत जारी नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि किसी अन्य मामले में उसकी जरूरत नहीं है तो उसे जेल से तत्काल रिहा किया जाए।

मणिवन्नन को छह जनवरी 2026 को पटियाला हाउस कोर्ट ने थाईलैंड प्रत्यर्पित किए जाने तक जेल में रखने का आदेश दिया था। हालांकि, प्रत्यर्पण आदेश के दो माह के भीतर उसे भारत से बाहर नहीं भेजा गया। याचिकाकर्ता ने इसी आधार पर कहा था कि छह मार्च 2026 के बाद उसकी हिरासत प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 की धारा 24 और संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ है। थाईलैंड के प्रत्यर्पण अनुरोध के मुताबिक मणिवन्नन को 27 अगस्त 2012 को बैंकाक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट पर 840 रेडिएटेड कछुओं के साथ गिरफ्तार किया गया था। उस पर थाईलैंड के वन्यजीव संरक्षण एवं सुरक्षा अधिनियम, पशु महामारी अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए थे। इन अपराधों में एक वर्ष से अधिक की सजा का प्रविधान था।

युवराज मनचंदा हत्याकांड: 'परिवार से अंतिम संस्कार का अधिकार छीना', अदालत ने गुरुग्राम पुलिस को लगाई फटकार

नईदिल्ली, एजेंसी। एक नामी रियल्टी कंपनी में सेल्स मैनेजर युवराज सिंह मनचंदा की हत्या के मामले में शव के निस्तारण और जांच प्रक्रिया को लेकर शनिवार को साकेत कोर्ट ने गुरुग्राम पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन ने बादशाहपुर थाने के पुलिस अधिकारी से शव बरामद होने से लेकर उसके अंतिम संस्कार तक की कार्रवाई पर एक-एक कर कड़े सवाल किए। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता ने अपना भाई खोया और शव का इस तरह अंतिम संस्कार किए जाने से परिवार से विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार करने का अधिकार भी छिन गया। बता दें कि कोर्ट ने गुरुग्राम पुलिस की कार्रवाई को लेकर पहले भी नाराजगी जताई थी। वहीं, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सबसे पहले अज्ञात शव की जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल किया। अदालत ने पूछा कि अज्ञात शव मिलने के दूसरे दिन ही कार्यकारी मजिस्ट्रेट या एसडीएम को पंचनामा कार्रवाई की सूचना देना सामान्य प्रक्रिया है, फिर ऐसा क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने जिप नेट पर शव की जानकारी अपलोड करने में हुई देरी पर भी सवाल उठाया। जिप नेट दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों की पुलिस के बीच अज्ञात शव और गुमशुदा लोगों की जानकारी साझा करने का नेटवर्क है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, युवराज का शव 10 सितंबर को बरामद हुआ था, जबकि परिवार की ओर से अदालत

में आरोप लगाया गया कि शव का विवरण और फोटो 16 सितंबर को जिप नेट पर अपलोड किए गए। वहीं 14 सितंबर को ही शव का अज्ञात के रूप में अंतिम संस्कार कर दिया गया। युवराज की बहन हरसिमरन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित प्रसाद ने दलील दी कि अंतिम संस्कार स्थल से जली हुई घड़ी और कड़ा बरामद हुआ।

नेपाल में एक और त्रासदी: हिमलुंग हिमाल बेस कैंप में अचानक हिमस्खलन, 10 लोग लापता; कई दिन से हो रही थी बर्फबारी

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में तिब्बत की सीमा के पास स्थित हिमलुंग हिमाल के बेस कैंप में रविवार सुबह भीषण हिमस्खलन हुआ। इस हादसे के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। लापता लोगों में अलग-अलग पर्वतारोहण अभियानों से जुड़े लोग शामिल हैं। अभियान आयोजकों के मुताबिक, दो लापता लोग रसोई में काम करने वाले कर्मचारी हैं। इलाके में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी और खराब मौसम के कारण पर्वतारोहण अभियान पहले ही मुश्किल हो गए थे। अभियान आयोजक मिंगमा ग्यालजे शेरपा के मुताबिक, हिमस्खलन रविवार सुबह आया। उन्होंने बताया कि उनके रसोई कर्मचारियों में से दो लोग भी लापता हैं। पिछले सप्ताह मौसम को लेकर चेतावनी जारी होने के बाद पर्वतारोहण दल और रस्सी लगाने वाली टीमें पहाड़ की ढलानों से नीचे लौट आई थीं। हालांकि, कुछ लोग वहां रुक गए थे। रविवार को आए हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी मिली है। ये सभी लोग अलग-अलग अभियान कंपनियों से जुड़े हुए थे। हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी। खराब मौसम के कारण पर्वतारोहियों को शरद ऋतु में होने वाली चढ़ाई से पीछे हटना पड़ा था। लगातार बारिश और बर्फबारी ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में हालात और मुश्किल कर दिए हैं। मौसम बिगड़ने के बाद पर्यटन अधिकारियों ने ट्रेकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों को रोकने की सलाह दी है। पर्यटन विभाग ने भी लोगों को मौसम साफ होने तक पर्यटन गतिविधियां स्थगित रखने को कहा है। हिमलुंग हिमाल की ऊंचाई 7,126 मीटर है और यह नेपाल के मनांग जिले में स्थित है। ऊंचाई पर पर्वतारोहण का अनुभव हासिल करने वाले पर्वतारोहियों के बीच यह चोटी काफी लोकप्रिय है। हालांकि, यहां पहुंचना आसान नहीं है। हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उड़ाने के लिए अतिरिक्त अनुमति की जरूरत होती है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का रूस ने समर्थन किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का जोरदार समर्थन किया. साथ ही पश्चिमी देशों के पुनः प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी.

संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया के नेताओं को संबोधित करते हुए लावरोव ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी भी सुधार से परिषद और उसके परमानेंट सदस्यों के खास अधिकार कम नहीं होने चाहिए. मॉस्को के उसूलों वाले रुख को बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि सुधारों में पश्चिमी देशों को और सीटें देने से बचना चाहिए.

लावरोव ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार में पश्चिमी देशों, खासकर जर्मनी और जापान को अतिरिक्त सीट नहीं दी जा सकती, जो अब सैन्यवाद और बदला लेने की राह पर हैं.' ज़्यादा सबको साथ लेकर चलने वाले और भौगोलिक रूप से संतुलित वैश्विक वास्तुकला की वकालत करते हुए रूसी विदेश मंत्री ने ग्लोबल साउथ से पुनः प्रतिनिधित्व बढ़ाने का ज़ोरदार समर्थन किया.

लावरोव ने कहा, 'हम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के रिप्रेजेंटेशन को बढ़ाने के पक्ष में हैं. हम परमानेंट सीट के लिए ब्राजील और भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं. और साथ ही, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूं कि हमें इजराइली आम सहमति और एसईएटी घोषणा

के अनुसार अफ्रीकी महाद्वीप के हितों को पूरा करना चाहिए.' रूस समेत ब्रिक्स देशों ने पहले नई दिल्ली डिक्लेरेशन में संयुक्त राष्ट्र जिसमें सुरक्ष परिषद भी शामिल है, में ब्राजील और भारत की बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीदों के लिए अपना सपोर्ट दोहराया था. संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में चल रही आम बहस के दौरान इसी मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए दुनिया भर के नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि परिषद को आज की जियोपॉलिटिकल और इकोनॉमिक हकीकतों को दिखाने की तुरंत जरूरत है. मॉरिशस ने अपने भाषण के दौरान भारत की दावेदारी का साफ तौर पर समर्थन किया. मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने नई दिल्ली का साथ देते हुए कहा, 'हम काउंसिल सुधार पर जी4 और एल69 की बातों का सपोर्ट करते हैं, और हम ग्लोबल मामलों में भारत की कंस्ट्रक्टिव भूमिका के हिसाब से परमानेंट सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना सपोर्ट दोहराते हैं.' भारत को अपने सपोर्ट के साथ-साथ, मॉरिशस ने कॉमन अफ्रीकन पोजीशन का भी समर्थन किया, जिसमें सही रीजनल रिप्रेजेंटेशन, नए परमानेंट मेंबर्स के लिए समान अधिकार और छोटे आइलैंड डेवलपिंग देशों के लिए खास जगह देने पर ज़ोर दिया गया. पुर्तगाल ने भी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की मांग को और बढ़ाया, पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अफ्रीका, ब्राजील और भारत के लिए परमानेंट रिप्रेजेंटेशन वाली एक ज़्यादा रिप्रेजेंटेटिव काउंसिल की वकालत की. नई दिल्ली की महत्वाकांक्षाओं को चार देशों के जी4 अलायंस के जरिए अप्रत्यक्ष सपोर्ट मिला.

जयशंकर की कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात, ऊर्जा और एआई पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई। जयशंकर ने इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अलग-अलग देशों के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की। उन्होंने इस मुलाकात को उपयोगी बताया। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत और कनाडा के संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में दोनों पक्षों की बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जयशंकर ने मेक्सिको के विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर ने इस बैठक की जानकारी भी साझा की। भारत और मेक्सिको के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग रहा है और संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई यह बैठक दोनों देशों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने का अवसर बनी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में बैठक में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे का अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया है।

वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग क्यों अहम रहा: जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वेनेजुएला के विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया गोंजालेज से मुलाकात

की। उन्होंने बैठक को अच्छा बताया। जयशंकर के अनुसार, भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा संबंधों में तेजी आ रही है। दोनों देशों के बीच सहयोग के दूसरे क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा रहे। ऊर्जा क्षेत्र भारत और वेनेजुएला के संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए इस बैठक में इस मुद्दे पर विशेष ध्यान रहा।

इन द्विपक्षीय बैठकों से पहले जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर भारत की सोच भी रखी। उन्होंने कहा कि हर देश को अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के अनुसार अपना एआई तंत्र तैयार करने का अधिकार है। इसके लिए देश अपने मॉडल विकसित कर सकते हैं और उनके इस्तेमाल की रणनीति तय कर सकते हैं। भारत एआई को ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी के एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। जयशंकर ने एआई को मानव सशक्तीकरण, आर्थिक समृद्धि और बड़े पैमाने पर लोगों की समस्याओं के समाधान में बदलाव लाने वाली तकनीक बताया। उन्होंने तकनीक को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और अलग-अलग संस्कृतियों को समझने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने फरवरी में एआई इंपैक्ट समिट की मेजबानी की थी, जिसमें इस क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रमुख लोग शामिल हुए थे। जयशंकर की इन बैठकों में भारत के अलग-अलग साझेदार देशों के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिखाई दिया। कनाडा के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने, मेक्सिको के साथ द्विपक्षीय संपर्क बढ़ाने और वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग को गति देने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही एआई को लेकर भारत ने अपनी प्राथमिकताओं को भी वैश्विक मंच पर सामने रखा।

संपादकीय | चुनाव आयोग में एकतरफा फैसलों के लिए कोई जगह

एक साल से भी अधिक समय से, मैं मतदाता सूचियों के 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एस.आई.आर.) के बारे में आलोचनात्मक रूप से लिखता रहा हूं। मैंने ऐसा कुछ संकोच के साथ किया। भारत का निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) एक ऐसा संस्थान है, जहां मैंने कई वर्षों तक सेवा की है। मैं इसकी खूबियों को जानता हूं और मैंने अक्सर इसे हमारे संविधान के महान उपहारों में से एक कहा है। एक अंग्रेजी अखबार के खुलासों के बाद, मुझे आश्चर्य होता है कि क्या मैं पर्याप्त रूप से आलोचनात्मक था? जांच रिपोर्ट बताती है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार उन फैसलों और आदेशों पर आपत्तियां दर्ज कराई, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे उनकी जानकारी के बिना लिए गए थे। उनकी चिंताएं ई.सी.आई. के मूल कामकाज से जुड़ी थीं, जिसमें मतदाताओं का पंजीकरण और विलोपन, नामों की बहाली, फॉर्म 6, चुनावी मामलों में अपील और नामावलियों की डिजिटल संरचना पर नियंत्रण शामिल था। अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया कि क्या एस.आई.आर. बुद्धिमानी भरा, निष्पक्ष या प्रशासनिक रूप से सही था। एक वास्तविक सवाल उठता है-क्या ये फैसले वास्तव में ई.सी.आई. द्वारा लिए जा रहे हैं? यदि नहीं, तो क्या इन्हें कानूनी माना जा सकता है?

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 की धारा 18(2) में प्रावधान है कि आयोग का सारा कामकाज, जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से निपटाया जाएगा। यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों में मतभेद

होता है, तो मामले का फैसला 'बहुमत की राय के अनुसार किया जाएगा'। धारा 18(1) इससे भी आगे जाती है-कामकाज के संचालन और उसके आबंटन की प्रक्रिया को भी केवल सर्वसम्मत फैसले द्वारा ही विनियमित किया जा सकता है। सर्वसम्मति ही वैधानिक नियम है। जहां यह विफल होती है, वहां बहुमत तय करता है। एकतरफा फैसलों के लिए यहां कोई जगह नहीं है। यह सिद्धांत इस कानून से भी पुराना है। टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ (1995) के मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर बल दिया था कि अनुच्छेद 324 चुनावों की जिम्मेदारी ई.सी.आई. को सौंपता है, किसी एक व्यक्ति को नहीं। यदि दो आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) से असहमत होते हैं, तो धारा 18 बताती है कि किसका दृष्टिकोण मान्य होगा। कानूनी परिणाम गंभीर हैं। किसी ऐसे ठोस फैसले पर विचार करें जो कानून आयोग में निहित करता है लेकिन आयोग के समक्ष रखे बिना या कामकाज के विधिपूर्वक अपनाए गए आबंटन के दायरे के बिना 'चुनाव आयोग' के नाम पर लिया गया हो, ऐसा निर्णय प्रथम दृष्टया, अधिकारक्षेत्र से बाहर है। कोई लैटरहैड वह अधिकार प्रदान नहीं कर सकता, जिसे कानून रोकता है। आयोग 3 सदस्यीय संवैधानिक निकाय है। यह इसके अध्यक्ष का दूसरा नाम नहीं है। एस.आई.आर. विवाद के दौरान ई.सी.आई. को लगभग एक अखंड सार्वजनिक चेहरा बनाए रखते देखकर, मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता था कि क्या दोनों आयुक्त बहुत डरपोक थे और क्या उनकी चुप्पी का मतलब सहमति था? रिपोर्ट इसके उलट संकेत देती है। वे फाइल पर आपत्तियां दर्ज करा रहे थे, फैसलों पर सवाल उठा रहे थे, चुनावी डाटाबेस के इर्द-गिर्द सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे थे और यहां तक कि जब उन्हें लगा कि संस्थागत प्रक्रियाओं का उल्लंघन हुआ है, तो उन्होंने कैबिनेट सचिव से भी संपर्क किया। प्रतिक्रिया संस्थागत होनी चाहिए, दलगत नहीं। एक आयोग के रूप में बैठक करते हुए आयोग को निम्नलिखित कदम उठाने चाहिएं-यह खुलासा करना चाहिए कि एस.आई.आर. के किन बड़े फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी, किन्हें बहुमत से तय किया गया था और किस वैध अधिकार के तहत अन्य फैसले जारी किए गए थे। ऐसे हर फैसले की समीक्षा की जाए, जिसे दो आयुक्तों ने मंजूरी के अभाव के रूप में चुनौती दी है और जिसे भी बिना वैध अधिकार के लिया गया पाया जाए, उसे वापस लिया जाए।

छात्रों को वित्तीय प्रबंधन की शिक्षा देना जरूरी

डा. वरिन्द्र भाटिया

भारतीय छात्रों को वित्तीय साक्षरता की शिक्षा देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जब छात्र कम उम्र में पैसों का प्रबंधन सीखते हैं, तो वे भविष्य में बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं। वित्तीय साक्षरता और वित्तीय प्रबंधन सीखने से कॉलेज ही नहीं, बल्कि सीनियर स्कूल छात्र भी बजट बनाना, बचत करना और फिजूलखर्ची से बचना सीखते हैं। इससे भविष्य की सुरक्षा के लिए लोन (जैसे एजुकेशन लोन), क्रैडिट कार्ड और कर्ज के जाल से बचने की समझ विकसित होती है। इससे निवेश की समझ भी बदलती है। छात्रों को वित्त प्रबंधन सिखाना अब अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। उन्हें बचत, बजट, निवेश और जिम्मेदार खर्च से अवगत कराकर, हम उन्हें महत्वपूर्ण जीवन कौशल प्रदान करते हैं।पूरे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में वित्तीय साक्षरता की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कॉलेज से कॉर्पोरेट जीवन में कदम रखना या अपना स्टार्ट-अप शुरू करना एक युवा व्यक्ति के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक है। पहली कमाई करना या मिलना उत्साह, स्वतंत्रता और नई जिम्मेदारियां लेकर आता है। हालांकि, इसके साथ ही कुछ व्यावहारिक सवाल भी उठते हैं। कितना पैसा बचाना चाहिए? खर्चों की योजना कैसे बनानी चाहिए? क्या बीमा आवश्यक है? खर्च करना, बचत करना और निवेश करना, इन तीनों में क्या अंतर है? क्या हमारे विश्वविद्यालय इस शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं? वित्तीय साक्षरता कोई विशेष कौशल नहीं है, जो केवल वित्त पेशेवरों के लिए ही हो। यह सभी के लिए जरूरी है। यह एक व्यावहारिक जीवन कौशल है, जो व्यक्ति को कमाई, खर्च, बचत, उधार, सुरक्षा और निवेश के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करता है। ये ऐसे जीवन कौशल हैं, जिनकी आवश्यकता प्रत्येक छात्र को होती है, चाहे उसका शैक्षणिक विषय या करियर पथ कुछ भी हो। आधुनिक अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल होती जा रही है। आज के छात्र यू.पी.आई., ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं। प्रौद्योगिकी ने वित्तीय लेन-देन को सुविधाजनक तो बना दिया लेकिन साथ ही साइबर धोखाधड़ी, अविवेकी खर्च और वित्तीय संबंधी गलत सूचनाओं के खतरे को भी बढ़ा दिया है। इसलिए, वित्तीय जागरूकता न केवल धन कमाने के लिए, बल्कि वित्तीय सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हो गई है। डिग्री से छात्र को रोजगार पाने में मदद मिल सकती है लेकिन वित्तीय साक्षरता उन्हें कार्यस्थल से परे जीवन में आगे बढ़ने में सहायक होती है। जैसे-जैसे उच्च शिक्षा बदलती दुनिया की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित हो रही है, वित्तीय साक्षरता को न केवल वित्तीय ज्ञान के रूप में, बल्कि प्रत्येक छात्र के लिए एक मूलभूत जीवन कौशल के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी छात्रों को वित्तीय साक्षरता और वित्तीय प्रबंध का कौशल सिखाना उनके भविष्य की भलाई में एक निवेश होगा। पैसे, बचत, बजट और जिम्मेदार खर्च की समझ को पहले से ही सिखा कर, हम उन्हें आत्मविश्वास से वित्तीय दुनिया की जटिलताओं का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, भारतीय छात्रों को केवल 'पैसे कमाना' नहीं, बल्कि 'पैसे का प्रबंधन करना' सिखाना देश की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आज का कार्टून

ग्लोबल मिशन पर निकलेंगे पीएम मोदी...

भारतीय कूटनीति को केवल यात्राओं और बैठकों की सूची के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके केंद्र में एक ऐसी रणनीति दिखाई देती है जिसमें वॉशिंगटन से व्यापार, मॉस्को से ऊर्जा और रणनीतिक संबंध, यूरोप से बाजार और प्रौद्योगिकी, कनाडा से संसाधन व व्यापार और यूक्रेन से शांति संवाद-सभी को एक साथ साधने की कोशिश है।बहरहाल, भारत का संदेश स्पष्ट है। बदलती विश्व व्यवस्था में नई दिल्ली किसी एक खेमे की परिधि में नहीं, बल्कि अपने आर्थिक, ऊर्जा और सुरक्षा हितों के आधार पर अनेक शक्ति केंद्रों के साथ समानांतर संवाद बनाए रखना चाहती है। यही वह संतुलन है जिसने 2026 में तमाम संघर्षों और व्यापारिक तनावों के बीच भारत को वैश्विक कूटनीति के महत्वपूर्ण संवाद केंद्रों में बनाए रखा है।

नीरज कुमार दुबे

भारत की कूटनीतिक गतिविधियां दिसंबर महीने में एक बड़े रणनीतिक अभियान का रूप लेने जा रही हैं और अब पूरी दुनिया मोदी की कूटनीति का कमाल देखने वाली है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित बहु-देशीय यात्रा में अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कम से कम दो देशों को शामिल किए जाने की तैयारी की खबर है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने अभी यात्रा कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन साफ संकेत मिल रहे हैं कि भारत दिसंबर को केवल राजनयिक यात्राओं का महीना नहीं, बल्कि व्यापारिक समझौतों, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शक्ति-संतुलन को साधने के अवसर के रूप में देख रहा है। इतिहासकिताबें खोजें

मोदी के इस कूटनीतिक अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव अमेरिका हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के 14-15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात का भी रास्ता खुल सकता है। इसी मंच पर चार देशों के समूह क्वॉड की संभावित बैठक भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होगी।

देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में इस समय व्यापार और रूस से जुड़े मुद्दे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लगभग सहमति बन चुकी है, लेकिन इसे लागू करने से पहले भारत अपने निर्यातकों के हित और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को सुनिश्चित करना चाहता है। साफ है कि मोदी सरकार सिर्फ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए जल्दबाजी में नहीं है, बल्कि वह ऐसा करार चाहती है जिसका सीधा और ठोस फायदा भारतीय उद्योग और निर्यातकों को मिले।

यहीं से भारत की कूटनीति का दूसरा और अधिक कठिन पक्ष सामने आता है। अमेरिका ने रूस और ईरान से जुड़े नए प्रतिबंध कानून के जरिए रूस की ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाने की संभावना का रास्ता खोला है। इसका सीधा असर भारत की ऊर्जा रणनीति पर पड़ सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत में भारत की आर्थिक और रणनीतिक चिंताओं को रखा। अमेरिका की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर साझेदार देशों की चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा।

यहां भारत की नीति को समझना जरूरी है। नई दिल्ली न तो रूस से संबंध तोड़ रही है और न ही अमेरिका से दूरी बना रही है। सितंबर में मोदी और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा हुई। मोदी ने रूस के सामने भी युद्ध को समाप्त करने और संवाद व कूटनीति के रास्ते आगे बढ़ने की बात रखी। इसी दौरान भारत के विदेश मंत्री की यूक्रेन यात्रा ने यह संदेश दिया कि भारत केवल एक पक्ष से बात करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि अलग-अलग शक्ति केंद्रों से संवाद बनाए रखने वाला देश है।

यही इस वर्ष की भारतीय कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यूक्रेन युद्ध जारी है, पश्चिम एशिया में संघर्ष और ऊर्जा आपूर्ति पर संकट की आशंका बनी हुई है, अमेरिका-रूस तनाव गहरा रहा है और चीन के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। ऐसे वातावरण में भारत ने रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के साथ व्यापार तथा रणनीतिक सहयोग बढ़ाया, यूरोप के साथ आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी मजबूत की और यूक्रेन के साथ शांति संबंधी संवाद जारी रखा।

उधर, यूरोप के मोर्चे पर भारत को बड़ी उपलब्धि मिल चुकी है। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी 2026 को मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता पूरी की। सितंबर में यूरोपीय आयोग ने समझौते को हस्ताक्षर और अनुमोदन के लिए परिषद के समक्ष पेश कर दिया। प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ के भारत को होने वाले 96 प्रतिशत से अधिक माल निर्यात पर शुल्क घटाने या समाप्त करने की व्यवस्था है। इसलिए दिसंबर में ब्रसेल्स में औपचारिक हस्ताक्षर की संभावना केवल व्यापारिक घटना नहीं होगी; यह भारत-यूरोप संबंधों के व्यापक रणनीतिक विस्तार का प्रतीक भी बन सकती है।

कनाडा भी इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मार्च 2026 में मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया था। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर तक ले जाने की महत्वाकांक्षा भी जताई है। कार्नी ने जून में मोदी के साथ मुलाकात के दौरान संबंधों में सकारात्मक गति और आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया था।

यदि दिसंबर में कनाडा और ब्रसेल्स के पड़ाव जुड़ते हैं तो भारत एक ही यात्रा में उत्तर अमेरिका और यूरोप के दो महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों से संबंधों को नई दिशा दे सकता है। जर्मनी में अंतर-सरकारी परामर्श की संभावित बैठक इस कूटनीतिक अभियान को और व्यापक बना सकती है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सामरिक अर्थ केवल इतना नहीं है कि भारत नए बाजार खोल रहा है। असली लक्ष्य आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी और किसी एक शक्ति-केंद्र पर अत्यधिक निर्भरता से बचाव है। भारत-यूरोपीय संघ के बीच जनवरी में हुए समझौते के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी भी आगे बढ़ी है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और आतंकवाद-रोधी सहयोग शामिल हैं।

इसलिए भारतीय कूटनीति को केवल यात्राओं और बैठकों की सूची के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके केंद्र में एक ऐसी रणनीति दिखाई देती है जिसमें वॉशिंगटन से व्यापार, मॉस्को से ऊर्जा और रणनीतिक संबंध, यूरोप से बाजार और प्रौद्योगिकी, कनाडा से संसाधन व व्यापार और यूक्रेन से शांति संवाद-सभी को एक साथ साधने की कोशिश है।

बहरहाल, भारत का संदेश स्पष्ट है। बदलती विश्व व्यवस्था में नई दिल्ली किसी एक खेमे की परिधि में नहीं, बल्कि अपने आर्थिक, ऊर्जा और सुरक्षा हितों के आधार पर अनेक शक्ति केंद्रों के साथ समानांतर संवाद बनाए रखना चाहती है। यही वह संतुलन है जिसने 2026 में तमाम संघर्षों और व्यापारिक तनावों के बीच भारत को वैश्विक कूटनीति के महत्वपूर्ण संवाद केंद्रों में बनाए रखा है।

दिल्ली में एकजुट दिखने वाले दल उप्र में आपस में लड़ रहे

दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया के भीतर एक बार फिर एकजुटता की कवायद तेज हो गयी है। चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दे पर साझा लड़ाई लड़ने की तैयारी हो रही है, नेताओं के बीच बातचीत बढ़ी है और दिल्ली में सभी विपक्षी दलों की बैठक भी बुला ली गई है। लेकिन सियासत का असली सवाल यह है कि क्या दिल्ली की एकजुटता उत्तर प्रदेश की जमीन तक पहुंच पाएगी? क्योंकि जिस गठबंधन को दिल्ली में एक मंच पर खड़ा करने की कोशिश हो रही है, उसी गठबंधन के सबसे बड़े चुनावी मैदान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच खींचतान लगातार खुलकर सामने आ रही है।

नीरज कुमार दुबे

उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग के मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने और उन दलों से संवाद बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं, जो हाल के महीनों में कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक बुलाने, संयुक्त प्रेस वार्ता और देशव्यापी साझा आंदोलन की संभावना पर भी बातचीत चल रही है। यानी ऊपर से संदेश यही है कि विपक्ष को फिर एक साथ खड़ा किया जाए।

मगर हुजूर, राजनीति में असली परीक्षा मंच पर हाथ मिलाने की नहीं, मैदान में सीट बांटने की होती है। और यहीं से कहानी बदल जाती है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों का हिसाब किताब शुरू होते ही सपा और कांग्रेस के बीच पुरानी दोस्ती की परतें खुरचने लगी हैं। कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी अपनी ताकत और पिछले चुनावी प्रदर्शन के आधार पर बड़ा हिस्सा अपने पास रखना चाहती है। दोनों दल अपने-अपने स्तर पर सीटों की ताकत-कमजोरी का आकलन कर रहे हैं और गंभीर सीट बंटवारे की बातचीत अक्टूबर में शुरू होने की संभावना बताई गई है। उधर, तनाव सिर्फ बंद कमरों की बातचीत तक सीमित नहीं है। कांग्रेस के इमरान मसूद ने जल्द गठबंधन तय करने की मांग की और कहा कि भ्रम की स्थिति में कांग्रेस चुनावी तैयारी नहीं कर सकती। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने तो यहां तक कहा कि मतभेद होने पर पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ सपा की सांसद इकरा हसन ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने की क्षमता अखिलेश यादव के नेतृत्व में है। इस तरह यानी एक ही गठबंधन में दो सुर, दो दावे और दो नेतृत्व केंद्र दिखाई दे रहे हैं।

अखिलेश यादव का रायबरेली से पीडीए यात्रा शुरू करना भी इसी रस्साकशी का हिस्सा माना जा रहा है। रायबरेली कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ रहा है, लेकिन अखिलेश ने वहीं से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में जमीन किसके पास है, इसका हिसाब अलग से होगा। इसे कई राजनीतिक विश्लेषक सीट बंटवारे से पहले सपा की राजनीतिक ताकत दिखाने की कवायद के तौर पर देख रहे हैं।

और अब मैनपुरी-इटावा-सैफई की धरती से शिवपाल सिंह यादव का बयान इस खींचतान में नया तड़का लगा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा था कि अखिलेश रायबरेली जा सकते हैं तो कांग्रेस भी इटावा, कन्नौज और मैनपुरी जाएगी। जवाब में शिवपाल ने कहा- जाइए, अभियान चलाइए, लेकिन वहां कांग्रेस को वोट नहीं मिलेगा। उन्होंने अपने जसवंतनगर क्षेत्र का हवाला देते हुए कांग्रेस को वहां वोट न मिलने की बात कही और सपा की जीत का दावा किया। अब शिवपाल के इस बयान का राजनीतिक मतलब समझिए। यह सिर्फ किसी एक रैली या दौरे पर प्रतिक्रिया नहीं है। यह दरअसल सपा के उस आत्मविश्वास का प्रदर्शन है जिसमें वह कांग्रेस को यह याद दिलाना चाहती है कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की जमीन सपा के संगठन और सामाजिक आधार से तैयार होती है। मैनपुरी, इटावा और सैफई जैसे इलाकों में कांग्रेस का चुनावी अभियान सपा के लिए सिर्फ सहयोगी दल की गतिविधि नहीं, बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र में दूसरे सहयोगी की राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

यही इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पहेली है। दिल्ली में सवाल है कौन-कौन साथ आएगा? उत्तर प्रदेश में सवाल है किसके साथ कौन कितनी सीट पर लड़ेगा? दिल्ली में साझा मुद्दे खोजे जा रहे हैं, लखनऊ में सीटों का हिसाब किताब चल रहा है। दिल्ली में एकजुटता की तस्वीर खींची जा रही है और यूपी में दोनों दल अपने-अपने झंडे ऊंचे करने में जुटे हैं। हम आपको याद दिला दें कि 2024 में उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 लोकसभा सीटें जीती थीं। सपा 37 और कांग्रेस छह पर विजयी रही थी। यही प्रदर्शन अब दोनों दलों के आत्मविश्वास और दावेदारी का आधार बन रहा है। लेकिन 2027 की विधानसभा राजनीति का गणित अलग है। सपा अपने संगठन, सामाजिक समीकरण और विधानसभा में अपनी मौजूदा ताकत के आधार पर ज्यादा हिस्सेदारी चाहती है, जबकि कांग्रेस 2024 के प्रदर्शन और राहुल गांधी की सक्रियता को अपनी बढ़ती राजनीतिक हैसियत का आधार बना रही है।

यानी मामला साफ है। इंडिया गठबंधन को जोड़ने की कोशिश दिल्ली में हो रही है, लेकिन उसे बचाने की असली परीक्षा उत्तर प्रदेश में होनी है। क्योंकि गठबंधन सिर्फ नेताओं की मुलाकातों और साझा तस्वीरों से नहीं चलता। गठबंधन तब चलता है जब कार्यकर्ता एक-दूसरे के लिए जमीन छोड़ें, नेता एक-दूसरे की सीमा का सम्मान करें और सीटों के बंटवारे पर दोनों पक्ष अपनी महत्वाकांक्षा को किसी साझा फार्मूले में बांध सकें।

वरना दिल्ली में जितनी बार हाथ मिलेंगे, मैनपुरी और रायबरेली में उतनी ही बार पैर एक-दूसरे की जमीन पर पड़ते दिखाई देंगे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यही पैर कब एक-दूसरे के रास्ते में आ जाएं, इसका फैसला अक्सर दिल्ली की बैठक नहीं, जमीन पर लड़ने वाला कार्यकर्ता करता है।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेट्टी का 'मेंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

इचिनोमिया सिटी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी का सफर 'मेंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हराने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने

शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था।
वहीं, उन्नति हुड्डा ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स इवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 79 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुड्डा ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वोंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। आखिरी गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन उन्नति ने 20-18 पर दो मैच प्वाइंट्स हासिल कर लिए।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैम्पियन

देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

नई दिल्ली। गोलकीपर वृंदा टिंकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी-1 जयपुर की

टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिंकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

अभय और अनाहत सिंह ने दिलाया रजत

चिनप्पा-सेंथिलकुमार ने जीता था कांस्य

स्क्वाश में भारत को मिले तीन पदक

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का स्क्वाश में अभियान समाप्त हो गया है। भारत को इस स्पर्धा में कुल पदक मिले। जोशना चिनप्पा और सेंथुलकुमार वेलावन की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीते थे। वहीं, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले में देश को रजत पदक दिलाए। पुरुष एकल में अभय और महिला एकल के फाइनल में अनाहत को हार मिली और इन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

स्वर्ण से चूके अभय और अनाहत

अभय सिंह को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में मलयेशिया के ऐन योउ एंग के हाथों हार मिली। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय 18वीं रैंकिंग वाले योउ को चुनौती नहीं दे सके। पिछली बार के चैंपियन मलयेशियाई खिलाड़ी ने 11-9, 11-5, 11-5 से जीत दर्ज की। यह मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभय की आठवीं हार थी। इस स्पर्धा में बेस्ट ऑफ-5 होता है। यानी तीन गेम जीतने वाला खिलाड़ी मैच जीतता है। स्क्वाश में महिला एकल की फाइनल में अनाहत सिंह को मलयेशिया की सिवासंगारी सुब्रमणयम से 3-0 से हार मिली। सिवांसगारी ने 11-4, 11-4, 11-7 से मैच जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सिवासंगारी की विश्व रैंकिंग पांच है। वह पिछले एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अनाहत के खिलाफ सिवासंगारी ने लगातार तीसरा मैच जीता है।

शॉट पुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने भारत को दिलाया सिल्वर

नागोया। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर लगातार तीसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल से चूक गए। शनिवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों के शॉट पुट फाइनल में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जबकि ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया। 2018 जकार्ता और 2022 हांगजो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले तूर ने शनिवार को 20.06 मीटर के थ्रो के साथ मजबूत शुरुआत की और अपने दूसरे प्रयास में 20.26 मीटर का थ्रो करके मेडल की दौड़ में बने रहे। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते दिखे; उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 19.77 मीटर और चौथे प्रयास में 19.71 मीटर का थ्रो किया। तूर ने अपने पांचवें थ्रो में 20.64 मीटर का बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए नाकाफी था। तूर का छठा और अंतिम प्रयास फाउल करार दिया गया, जिससे प्रतियोगिता में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.64 मीटर ही रहा।

दूसरी तरफ, मोहम्मदरेजा तयेबी ने 20.81 मीटर का निर्णायक थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और तूर के पिछले एशियन गेम्स के 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर किया। तूर ने यह रिकॉर्ड 2018 में जकार्ता में खिताब जीतते समय बनाया था। सिल्वर जीतने के साथ तूर ने प्रत्येक एशियन गेम्स में मेडल जीतने का अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखा।

31 वर्षीय खिलाड़ी ने हांगझोऊ में 20.36 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाया था। वह जून 2023 में भुवनेश्वर में बनाए गए 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरे थे।

इससे पहले, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तूर पुरुषों के शॉट पुट में पांचवें स्थान पर रहे थे।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया घांघस ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैब्स

का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था। प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रहीं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैब्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के सैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम से हार गए।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा

'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था।

रवींद्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।'

भारतीय कंपाउंड और रिकर्व आर्चरी मिक्स्ड टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष मिक्स्ड टीमें रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में पहुंच गईं। चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से हराकर आखिरी चार में जगह बनाई। इस बीच, धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की रिकर्व जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और बाद में क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कंपाउंड मिक्स्ड टीम मुकाबला भी अहम होगा। एलए28 में इस डिसिप्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, ऐसे में एशियन गेम्स में एक कोटा जगह खाली है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष

टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा को 233-230 से हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को 235-232 से हराया।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा जगहें खाली हैं।

अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा, तो

परवीन महिलाओं के 65 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचे, दो पदक पक्के

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सिंग के लिए रविवार का दिन शानदार रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल और परवीन ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत के दो और पदक पक्के हो गए हैं। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया, जबकि महिलाओं के 65 किग्रा में परवीन ने उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को इसी अंतर से मात दी।

अंकुश ने 5-0 से दर्ज की शानदार जीत- निशियो जिमनैजियम में खेले गए मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही सलीमोव पर दबाव बनाए रखा। पहले दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने अपनी गति, पंच और डिफेंस से मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। दोनों राउंड अंकुश ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से अपने नाम किए। पहले राउंड में उन्होंने राइट हुक और 1-2 पंच का अच्छा इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में अंकुश ने अपने लेफ्ट हुक और काउंटर पंच से ताजिक मुक्केबाज को परेशान किया। तीसरे राउंड में सलीमोव ने वापसी की कोशिश की और 4-1 से राउंड अपने नाम किया। वह नॉकडाउन की तलाश में आक्रामक हुए, लेकिन अंकुश ने अपना डिफेंस मजबूत रखा। शुरुआती दो राउंड की बढ़त के दम पर भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

परवीन ने भी 5-0 से पक्का किया पदक- अंकुश के बाद परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीनों राउंड में भारतीय मुक्केबाज को सभी जजों का

समर्थन मिला। परवीन की जीत के साथ ही भारत ने इस वर्ग में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। अब उनकी नजर फाइनल में जगह बनाने और पदक का रंग बदलने पर होगी। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुताबिक अंकुश और परवीन दोनों के सेमीफाइनल मुकाबले 29 सितंबर को होने हैं।

सचिन और नरेंद्र से भी उम्मीद- भारत के लिए बॉक्सिंग में रविवार को दो और अहम मुकाबले बाकी हैं। सचिन सिवाच पुरुषों के 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जापान के शुनसुके कितामोटो के खिलाफ उतरेंगे। वहीं, पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में नरेंद्र का सामना थाईलैंड के अदथापोंग सेंगटेप से होगा। दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय मुक्केबाज पदकों की संख्या और बढ़ा सकते हैं।

कुराश में भारत को निराशा- कुराश में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान पदक के बिना समाप्त हुआ। विशाल पुरुषों के +90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन से 0-5 से हार गए। संगीता बलहारा महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चार्मिया क्वेलिनो से 0-10 से हारीं। भारती को महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ईरान की ताहेरेह अजरपेइवांड ने हराया, जबकि यश कुमार चौहान पुरुषों के +90 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान के शकरमामद मिरमामदोव से हार गए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670